A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 08 दिसंबर, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 11 अंक 73, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

भारत और रूस के आगे के रास्ते में क्या हैं चुनौतियां

जुगल पुरोहित

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के अंत में दोनों देशों ने एक संयुक्त बयान जारी किया। यह बयान 70 बिंदुओं का है और इसमें साफ़ लिखा है कि दोनों देश आर्थिक साझेदारी को अगले स्तर तक ले जाना चाहते हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, परमाणु ऊर्जा, ईंधन, मुक्त व्यापार समझौता, कुशल कामगारों की आवाजाही से लेकर रक्षा सहयोग पर चर्चाएं हुईं। लेकिन क्या सिर्फ महत्वाकांक्षा काफ़ी है, बड़े फैसलों पर दोनों देशों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है और इस यात्रा पर पश्चिमी देशों, ख़ासकर अमेरिका, की नज़र कैसी है।

संयुक्त बयान में व्यापार और आर्थिक साझेदारी को सबसे ऊपर रखा गया है। इसमें कई बातें शामिल हैं जैसे भारत से रूस को निर्यात बढ़ाना, व्यापार में लगने वाले शुल्क और अन्य बाधाओं को कम करना, महत्वपूर्ण खनिजों पर सहयोग करना और राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार करना। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य फोकस आर्थिक मुद्दों पर था, हमारा उद्देश्य था औद्योगिक और निवेश साझेदारी को मज़बूत करना। आज दुनिया में सप्लाई चेन और व्यापारिक रिश्ते दबाव में हैं, निवेश अनिश्चित हो रहा है। ऐसे समय में दोनों देशों का इन मुद्दों पर ध्यान देना अपने आप में एक संदेश है।

दोनों देशों के नेताओं ने कुशल कामगारों की आवाजाही को आसान बनाने वाले समझौतों की सराहना की। साथ ही यह लक्ष्य रखा गया कि 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुँचे। संदर्भ के लिए 2024-25 में यह व्यापार 68.7 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। शुक्रवार को भारत-रूस बिज़नेस फ़ोरम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पिछले साल हमने 2030 तक 100 अरब डॉलर का लक्ष्य तय किया थाए लेकिन मौजूदा संभावनाओं को देखते हुए हमें इतना इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा।

मोदी ने यह भी कहा कि भारत (रूस रेडी वर्कफ़ोर्स) तैयार करना चाहता है। हालाँकि, कुछ विशेषज्ञों को संदेह है। जेएनयू के डॉ. अमिताभ सिंह ने कहा, 100 अरब डॉलर का लक्ष्य मुश्किल है लेकिन असंभव नहीं। दोनों देशों को बहुत मेहनत करनी होगी।

उन्होंने समझाया, अभी व्यापार में तेल की बड़ी भूमिका है। पुतिन चाहते हैं कि रूस भारत को तेल बेचता रहे। लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत के लिए तेल खरीदना मुश्किल हो रहा है। बैंक और कंपनियाँ डर रही हैं कि कहीं वे प्रतिबंधों की चपेट में न आ जाएँ। जब तक इसका हल नहीं निकलता, भारत रूस से तेल कैसे खरीदेगा।

तेल का व्यापार पर कितना असर है, यह ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के दिए गए आंकड़ों से समझा जा सकता है। 2024 में भारत ने रूस से 52.7 अरब डॉलर का तेल आयात किया था। तेल की अहमियत को कम करने के इरादे से भारत और रूस एक मुक्त व्यापार समझौते (एफ़टीए) पर काम कर रहे हैं। यह समझौता रूस के साथ-साथ यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के देशों को भी शामिल करेगा। इससे तेल के अलावा माल के आदान-प्रदान में आसानी होगी।

मिस्त्री ने कहा, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के बीच रक्षा सहयोग की मज़बूती और लंबे इतिहास पर चर्चा हुई। रूस (मेक इन इंडिया) रक्षा कार्यक्रमों में भी भाग ले रहा है। हालाँकि, S-400 एयर डिफ़ेंस सिस्टम की डिलीवरी में देरी हो रही है ऐसा बार बार मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है।

भारत को रूस से परमाणु पनडुब्बी भी इस साल मिलनी थी, लेकिन अब 2028 तक आने की उम्मीद है। यह साफ़ नहीं कि भारत नए ऑर्डर देने से पहले पुराने ऑर्डर पूरे होने का इंतज़ार कर रहा है या नहीं। 4 दिसंबर को भारत के रक्षा मंत्री और उनके रूसी समकक्ष की बैठक में भी इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं मिली। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि रिश्ता अब सिर्फ़ ख़रीद-बिक्री का नहीं, बल्कि संयुक्त उत्पादन का हो रहा है।

ब्रहमोस एयरोस्पेस के पूर्व सीईओ सुधीर कुमार मिश्रा ने कहा कि रूस अब समझ रहा है कि भारत की रक्षा सप्लाई चेन में बने रहने के लिए उसे संयुक्त उत्पादन और तकनीक हस्तांतरण को बढ़ावा देना होगा। हडसन इंस्टीट्यूट की डॉ.अपर्णा पांडे ने कहा, मेरे लिए सबसे बड़ा संदेश प्रतीकात्मक है। भारत के लिए रूस क्यों अहम है। क्योंकि चीन के विस्तारवाद को संतुलित करने में रूस मदद करता है। पुतिन का दिल्ली आना यह दिखाता है कि वह इस रिश्ते को कितना महत्व देते हैं। अमेरिका के विपरीत, जहाँ सत्ता बदलने पर नीति बदल सकती है, रूस स्थिरता देता है।

अमेरिका में इस यात्रा पर अभी तक ज़्यादा चर्चा नहीं दिखी, लेकिन विशेषज्ञ इसे ध्यान से देख रहे हैं। संयुक्त बयान में ऐसा कुछ नहीं है जिससे अमेरिका नाराज़ हो- जैसे कोई बड़ा रक्षा सौदा या तेल ख़रीदने का वादा। और अगर अमेरिका रूस से बात कर सकता है, तो भारत भी कर सकता है।

लेकिन जो प्रतिक्रियाएं आ रही हैं उससे लगता है कि अमेरिका में पुतिन के भारत दौरे से असहजता है। अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने ट्रंप प्रशासन पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुली करने का आरोप लगाया। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, जब अमेरिका ने टैरिफ़ पर पीएम नरेंद्र मोदी को बुली करना शुरू किया और इसके बाद भारत को ज़बरदस्ती किनारे लगाना शुरू किया, उसी दिन से पीएम मोदी ने भूराजनीति की लगाम अपने हाथ में ले ली और नए ग्लोबल इकोनॉमिक चेस गेम की शुरुआत कर दी थी।

आज एक तरफ़ पीएम नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति मिल रहे हैं और दूसरी ओर से फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग बीजिंग में मिल रहे हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप व्हाइट हाउस में क्रिसमस पार्टियों में व्यस्त हैं।

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रूबिन ने कहा कि भारत और रूस को क़रीब लाने के लिए डोनाल्ड ट्रंप नोबल प्राइज़ के हक़दार हैं। रूस के नज़रिए से यह दौरा बेहद सकारात्मक है और भारत ने व्लादिमीर पुतिन को वह सम्मान दिया है जो उन्हें दुनिया में और कहीं मिलना मुश्किल है।

बहुत सारे समझौतों और सहमतियों का भारत में जश्न मनाया जा रहा होगा। लेकिन सवाल है कि इनमें से कितने समझौते सच में पूरी तरह लागू होंगे। कितने फैसले हमारे आपसी हितों के वास्तविक मेल पर आधारित हैं। और कितने ऐसे हैं जो इस कारण लिए जा रहे हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी और भारत के साथ जैसा व्यवहार किया, उसके प्रति एक तरह की नाराज़गी मौजूद है।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

शरद की सुबह

छत हुई बातून वातायन मुखर हैं
सर्दियाँ हैं।
एक तुतला शोर
सड़कें कूटता है
हर गली का मौन
क्रमशः टूटता है
बालकों के खेल घर से बेख़बर हैं
सर्दियाँ हैं।
दोपहर भी
श्वेत स्वेटर बुन रही है
बहू बुड्ढी सास का दु:ख
सुन रही है
बात उनकी और है जो हमउमर हैं
सर्दियाँ हैं।
चाँदनी रातें
बरफ की सिल्लियाँ हैं
ये सुबह, ये शाम
भीगी बिल्लियाँ हैं
साहब दफ़्तर में नहीं हैं आज घर हैं
सर्दियाँ हैं।

- कुँअर बेचैन

सिलेंडर ब्लास्ट से फैली आग
25 लोग जिंदा जले
गोवा के नाइट क्लब का मैनेजर गिरफ्तार, सीएम बोले-ऐक्शन होगा

पणजी (एजेंसी)। गोवा के अरपोरा इलाके में शनिवार देर रात एक नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट होने से 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 लोग घायल हैं। मरने वालों में 4 टूरिस्ट और 14 स्टाफ शामिल हैं, जबकि 7 लोगों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। गोवा पुलिस ने क्लब के मैनेजर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक क्लब में करीब 12 बजे सिलेंडर ब्लास्ट हुआ। यह इतना जोरदार था कि कुछ ही मिनटों में आग पूरे क्लब में फैल गई। फायर ब्रिगेड ने काफी देर की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया। घटना की सूचना मिलते ही सीएम प्रमोद सावंत और स्थानीय विधायक माइकल लोबो मौके पर पहुंचे। सीएम ने बताया कि 3 लोगों की मौत जलने और बाकी की मौत दम घुटने से हुई है।

हादसे की पूरी जांच होगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि क्लब में फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं किया गया था। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और फोरेंसिक टीम आग की असली वजह की जांच कर रही है। वहीं, प्रधानमंत्री ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों को लिए 2 लाख रुपए और घायलों के लिए 50 हजार रुपए देने का ऐलान किया है।

किचन से शुरू हुई आग सीढ़ियों पर मिले शव

गोवा के डीजीपी आलोक कुमार ने बताया कि 25 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। मरने वालों में ज्यादातर क्लब में काम करने वाले कर्मचारी थे। डीजीपी ने कहा- आग सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर में बनी रसोई से क्लब के दूसरे हिस्सों में फैली। इसलिए सबसे ज्यादा शव किचन एरिया से मिले हैं। भागने की कोशिश में दो लोगों की मौत सीढ़ियों पर हुई। चश्मदीद फातिमा शेख के मुताबिक, आग लगते ही अंदर जोरदार भगदड़ मच गई। उस समय क्लब में वीकेंड पार्टी चल रही थी और करीब 100 लोग डांस फ्लोर पर थे। जैसे ही धुआं और लपटें दिखीं, कई लोग घबराकर नीचे की ओर भागे और गलती से ग्राउंड फ्लोर के किचन में पहुंच गए। वहां पहले से मौजूद स्टाफ भी फंस गया। फातिमा ने बताया, बाहर निकलने का रास्ता बहुत संकरा था, जिससे लोग बाहर नहीं निकल पाए।

सीएम प्रमोद सावंत बोले- जिम्मेदारों पर ऐक्शन लेंगे

सीएम सावंत ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आज का दिन गोवा के लिए बहुत दुखद है। अरपोरा में लगी भीषण आग में 23 लोगों की मौत हो गई। मैं बेहद दुखी हूं और इस कठिन समय में सभी पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने मौके पर जाकर हालात देखे और इस घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने बताया- जांच में यह पता लगाया जाएगा कि आग कैसे लगी और क्या वहां फायर सेफ्टी और बिल्डिंग के नियमों का सही तरह पालन किया गया था या नहीं। जो भी इस घटना के लिए जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी तरह की लापरवाही को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एमएलए माइकल लोबो ने कहा कि राज्य के सभी क्लबों का सेफ्टी ऑडिट करवाना जरूरी है।

बालाघाट में पहली बार 10 नक्सलियों का सरेंडर
इन पर 2 करोड़ 36 लाख का इनाम, 62 लाख का इनामी भी शामिल, सीएम बोले- इनका पुनर्वास कराएंगे

बालाघाट (नप्र)। मध्य प्रदेश पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। छत्तीसगढ़ के 10 खूंखार नक्सलियों ने सीएम मोहन यादव के समाने खतरनाक हथियार डाले हैं। हाथियार डालने के बाद सभी को सीएम मोहन यादव ने संविधान की कॉपी दिए हैं। इसके बाद सभी ने मुख्यधारा में वापसी की है। इन 10 नक्सलियों पर करीब 2.36 करोड़ रुपए का इनाम था। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में नक्सल इतिहास में पहली बार एक साथ 10 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें 62 लाख रुपए का इनामी हार्डकोर नक्सली सुरेंद्र उर्फ कबीर भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इन नक्सलियों ने अपने हथियार सौंपे। इन सभी नक्सलियों पर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में 2 करोड़ 36 लाख का इनाम घोषित है। इनमें चार महिला और छह पुरुष नक्सली हैं। नक्सलवादियों ने दो एके 47, दो इंसास रायफल, एक एसएलआर, दो एसएसआर, सात बीजीएल सेल, और चार वॉकीटाकी पुलिस को सौंपे हैं।

बड़ी बात ये है कि इसमें वनकर्मी ने इसमें मुख्य भूमिका निभाई थी। इससे पहले, 1 नवंबर को महिला नक्सली सुनीता ने भी मध्य प्रदेश की आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर हथियार डाले थे।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह सरेंडर प्रदेश की नक्सल आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर हुआ है। मार्च 2026 तक नक्सलियों के खात्मे की तय समय-सीमा और जंगलों में सुरक्षाबलों के बढ़ते दबाव के कारण नक्सलियों ने सशस्त्र हिंसा छोड़कर बातचीत के जरिए सरेंडर का निर्णय लिया।

यह घटनाक्रम शनिवार को लांजी के छत्तीसगढ़ सीमा से लगे माहिरखुदरा में हुई पुलिस-नक्सली मुठभेड़ के बाद सामने आया है। मुठभेड़ के बाद शनिवार की देर रात करीब 10 बजे इन नक्सलियों ने बालाघाट में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। इससे पहले, 1 नवंबर को महिला नक्सली सुनीता ने भी मध्य प्रदेश की आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर हथियार डाले थे। वनकर्मी गुलाब उईके ने बताया कि गुरुवार को दो नक्सली कैंप में पहुंचे थे। करीब रात 8 बजे वह मुझे जंगल में ले गए। जहां उन्होंने बताया कि उन्हें छत्तीसगढ़ के रेनाखाड़ में सरेंडर करना है। क्या हमें छोड़ दोगे वहां वाहन से। मैंने कहा मैं वहां नहीं ले जा सकता हूं। लेकिन तुम कहो तो मंडला या बालाघाट ले जा सकता हूं सररेंड के लिए।

सीएम बोले- अब तक 10 नक्सली मार गिराए

सीएम ने कहा कि बालाघाट जोन में इस साल अब तक 10 हार्डकोर नक्सली मारे जा चुके हैं। इन पर 1.86 करोड़ का इनाम था। लगातार अभियान चलने का परिणाम है कि अनंत और विकास ने आत्मसमर्पण किया था। सीएम ने कहा कि मंडला, डिंडौरी डेंजर जोन से बाहर आए हैं। अगले साल जनवरी तक प्रदेश सरकार केंद्रीय मंत्री के सपने को सच करने की शुरुआत बालाघाट से करेगी। सभी आत्मसमर्पित करने वाले नक्सलियों का पुनर्वास किया जाएगा। उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जाएगा। सीएम ने कहा कि किसी भी हालत में लाल सलाम को सलाम नहीं किया जाएगा। बालाघाट समेत पूरे क्षेत्र में हथियार उठाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सीमा पार से 120 आतंकी भारत में घुसने की तैयारी में
एलओसी पर पाकिस्तान के 68 आतंकी लॉन्चपैड सक्रिय

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके में 68 लॉन्चपैड सक्रिय हैं। वहां 110 से 120 आतंकी जम्मू-कश्मीर में घुसने की तैयारी कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों के मुताबिक, अगले कुछ हफ्तों में घुसपैठ की कोशिशें बढ़ सकती हैं। एलओसी के कई संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। सभी सेक्टरों में निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि आतंकी सीमा के करीब भी न पहुंच सकें। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी लगातार एलओसी की ओर भेजा जा रहे हैं, लेकिन भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह तैयार हैं। सभी फोर्सेज को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि हर घुसपैठ की कोशिश को सीमा पर ही रोक दिया जाए। सीमा से लगे गांवों और आगे की चौकियों में भी गश्त बढ़ा दी गई है। फील्ड यूनिट्स को अधिक सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध हरकत पर तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। घुसपैठ रोकने के लिए सुरक्षा बलों ने अपनी काउंटर-इनफिल्ट्रेशन ग्रिड को और मजबूत किया है। बॉर्डर पर अब नाइट विजन कैमरे, ड्रोन निगरानी, थर्मल सेंसर, ग्राउंड सेंसर, बढ़ी हुई पेट्रोलिंग और अतिरिक्त जवानों की तैनाती कर दी गई है। इससे पहले 30 नवंबर को जम्मू के बीएसएफ कैंपस में एनुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई थी। इस दौरान बीएसएफ की जम्मू फ्रंटियर के एसपी शशांक आनंद ने बताया, साल 2025 में अब तक बीएसएफ ने पाकिस्तान की 118 चौकियां तबाह की हैं। सरकार ने हमें जीरो घुसपैठ का टारगेट दिया है। हम उसको पूरा करेंगे। वहीं, डीआईजी विक्रम कुंवर ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ ने कई आतंकी लॉन्च पैड नष्ट किए, इसके बाद पाकिस्तान ने बॉर्डर से 72 से ज्यादा टेरर लॉचिंग पैड शिफ्ट किए हैं। इनमें सियालकोट-जफ्फरवाल में एक्टिव 12 लॉन्च पैड और दूसरी जगहों पर एक्टिव 60 लॉन्च पैड शामिल हैं। हालांकि, ये सभी बॉर्डर से दूर हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने धर्म पूछकर 26 टूरिस्ट की हत्या कर दी थी। महिलाओं और बच्चों के सामने पुरुषों को सिर और सीने में गोली मारी थी। महिलाओं से कहा था- तुम्हें इसलिए छोड़ रहे हैं कि जाकर मोदी को बता देना। घटना के दौरान प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब में थे। वे दौरा बीच में ही छोड़कर देश लौटे और कैबिनेट की मीटिंग बुलाई। 24 अप्रैल को उन्होंने कहा- आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। इसके बाद सेना के अफसरों से मिले और कहा- सेना कार्रवाई के लिए जगह और समय तय करे। पहलगाम घटना के 15 दिन बाद 6 मई देर रात सेना ने पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक की। 25 मिनट में 9 आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए थे।

सुरक्षाबलों को दिए निर्देश-टेररिस्ट सीमा के करीब न पहुंचें

भोपाल का तापमान
अधिकतम 27°c
न्यूनतम 23°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 08 दिसंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

मुख्यमंत्री सहित पूरा मंत्रिमंडल खजुराहो में करेगा मंथन

विकास कार्यों की सौगात के साथ लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित होगी राशि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने मंत्रिमंडल के साथ दो दिन खजुराहो में रह कर कैबिनेट बैठक के साथ विभिन्न विभागों की समीक्षा करेंगे। सोमवार 8 दिसम्बर को खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की समीक्षा के साथ शुरूआत होगी। इसी क्रम में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, राजस्व, नगरीय विकास एवं आवास, तकनीकि शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार, जनजातीय कार्य, अनुसूचित जाति कल्याण और खनिज विभाग की समीक्षा की जाएगी।

मंगलवार 9 दिसम्बर को मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक होगी, जिसमें महत्वपूर्ण निर्णय लिए जायेंगे। इसी दिन सीसीआईपी की बैठक और लोक निर्माण एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के दो वर्षों में हुए कार्यों की मुख्यमंत्री द्वारा समीक्षा की जाएगी।

राजनगर में लाड़ली बहना सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 9 दिसम्बर को छतरपुर जिले के राजनगर के सती की मढ़िया में लाड़ली बहना सम्मेलन में भी शामिल होंगे। सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश की 1.26 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खाते में माह दिसम्बर की राशि अंतरित की जायेगी। मुख्यमंत्री लाड़ली बहनों से संवाद भी करेंगे।

अन्य गतिविधियां

- खजुराहों में आदिवर्त संग्रहालय का भ्रमण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- महाराजा छत्रसाल और सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति का अनावरण।
- पन्ना टाइगर रिजर्व कुटनी रिसॉर्ट डैम एवं रनेह फॉल का भ्रमण।
- 27055 लाख के 9 विकास कार्यों का भूमि-पूजन।
- 24010 लाख के 20 विकास कार्यों का लोकार्पण।
- राजनगर के सती की मढ़िया में लाड़ली बहना सम्मेलन में विकास पर केन्द्रित प्रदर्शनी।
- लाड़ली बहनों के खातों में राशि अंतरण और हितलाभ वितरण।

राजनाथ ने बीआरओ के 125 इंफ्रा प्रोजेक्ट्स का किया उद्घाटन

- कहा-ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में मजबूत कनेक्टिविटी ने अहम भूमिका निभाई

लेह (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लद्दाख में बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन के 125 इंफ्रा प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे बीआरओ और केंद्र के बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। राजनाथ सिंह ने कहा कि अच्छी सड़कों, रियल टाइम कम्युनिकेशन, सेटेलाइट स्पोर्ट, सर्वेलांस नेटवर्क व लाजिस्टिक स्पोर्ट से देश के सीमाओं पर आज हमारे सैनिक मजबूती के साथ खड़े हैं। आपरेशन सिंदूर की सफलता में मजबूत कनेक्टिविटी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। उन्होंने लद्दाख में दारबुक-श्योक-दौलत

बेग ओल्डी रोड पर बनी 920 मीटर लंबी श्योक टनल, गलवान मेमोरियल, कश्मीर, राजस्थान, चंदीगढ़ समेत अन्य राज्यों के 5000 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स देश को समर्पित किए। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि ये प्रोजेक्ट्स सेना के बहादुर सैनिकों और बीएसएफ के उन जवानों को श्रद्धांजलि हैं जो देश के लिए बिना थके काम करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इससे पहले बीआरओ के इतने सारे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन कभी नहीं हुआ।

श्योक टनल को बताया इंजीनियरिंग का कमाल- रक्षा मंत्री ने कहा कि श्योक टनल इंजीनियरिंग का कमाल है। इस इलाके में हर मौसम में भरोसेमंद कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा, और यह टनल कड़ाके की सर्दियों के दौरान तेजी से तैनाती की क्षमता को बढ़ाएगी। उन्होंने कहा- आज हम लद्दाख में दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड पर बनी 920 मीटर लंबी श्योक टनल का उद्घाटन कर रहे हैं। दुनिया के सबसे मुश्किल और चुनौतीपूर्ण इलाकों में से एक में बनी यह इंजीनियरिंग की अनोखी मिसाल है।

कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड ने रच दिया नया कीर्तिमान

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में रविवार दोपहर लाखों लोगों ने एक साथ गीता का पाठ किया। सनातन संस्कृति संसद नामक संस्था की ओर से इस सामूहिक गीता पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य आम लोगों तक सनातन धर्म की मूल भावना और गीता के सार्वभौमिक संदेशों को पहुंचाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मभूषण साध्वी ऋतंभरा और बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भी शामिल हुए। बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार, बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी सहित भाजपा के कई सांसद, विधायक व नेताओं ने उपस्थित होकर सामूहिक गीता पाठ में हिस्सा लिया। महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने मंच से दावा किया कि बड़ी संख्या में साधु- संतों सहित पांच लाख से अधिक लोगों ने सामूहिक गीता पाठ में हिस्सा लिया। गीता के 1, 9 व 18 अध्याय का पाठ किया गया। गीता पाठ को लेकर पूरा ब्रिगेड मैदान भगवा झंडों से पटा नजर आया।

5 लाख लोगों ने एक-साथ किया सामूहिक गीता पाठ

2022 में हुई थी गीता पाठ की शुरुआत

ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि बंगाल में पहली बार 2022 में एक साथ पांच हजार लोगों के साथ गीता पाठ के आयोजन की शुरुआत हुई थी जो अब पांच लाख लोगों तक पहुंच गई है। उन्होंने हिंदुओं से जागने की अपील करते हुए हिंदू राष्ट्र का जयघोष किया। उन्होंने कहा कि बंगाल संत परंपरा की भूमि रही है। राष्ट्रगान व राष्ट्र गीत भी बंगाल की देन है। मालूम हो कि ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पिछली बार 24 दिसंबर, 2023 को सामूहिक गीता पाठ कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग एक लाख लोगों ने भाग लिया था। आयोजकों ने दावा किया कि इस बार का आयोजन भारत में अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक गीता पाठ है।

बागेश्वर बाबा ने मंच से भरी हुंकार

कोलकाता में गीता पाठ कार्यक्रम के दौरान बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने मंच से कहा कि हिंदू अगर एक हो जाए तो भारत को हिंदू राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा,ये देश बाबर का नहीं, रघुवर का है। हिंदुओं को एक होकर गांव-गांव में भगवा लहराना होगा। हम बहुत जल्दी कथा करने बंगाल आएंगे। अगली बार बंगाल में कथा के दौरान धर्म विरोधियों की ठठरी बांध देंगे। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कोलकाता में गीता पाठ के मंच से बांग्ला में शुरू किया अपना संबोधन, कहा- केमोन आचो कोलकाता। आमी तुमाके बहुत भालो बासी। आज हमें देखकर खुशी है कि कोलकाता के पत्ता-पत्ता में भगवा लहरा रहा है। कोलकाता की मां काली की धरती आज लाखों लोगों के एक साथ गीता पाठ से सौभाग्यशाली हुई है। ऐसा लग रहा है मानो हिंदू जग गया है।

भीषण ठंड की चपेट में एमपी-राजस्थान

मध्यप्रदेश में शीतलहर जारी,24 शहरों में पारा 10 से नीचे

- राजस्थान में भी बिगड़ा मौसम शेखावाटी-बीकानेर में ठिठुरन
- उत्तराखंड के बद्रीनाथ-केदारनाथ में बर्फबारी की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहाड़ी इलाकों से बर्फबारी के चलते मैदानी इलाकों में सर्दी बढ़ गई है। मध्य प्रदेश में आज शीतलहर का अलर्ट है। शनिवार को प्रदेश के 24 शहरों में तापमान 10 डिग्री से कम रहा। शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा रहा। यहां पर न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया गया। राजस्थान में आज से कड़ाके की सर्दी से राहत मिल सकती है। अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में मौसम साफ रहने की संभावना है। वहीं, शनिवार को जोधपुर, जैसलमेर समेत कुछ जिलों में बादल छाए रहे, हालांकि बारिश नहीं हुई। इधर, उत्तराखंड में रविवार को बद्रीनाथ-केदारनाथ समेत अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। वहीं, उत्तरकाशी समेत 3 जिलों में बारिश की संभावना है। शनिवार को केदारनाथ में तापमान माइनस 16 और बद्रीनाथ में माइनस 11 दर्ज किया गया। वहीं, हिमाचल में ठंड बढ़ने से अब झरनों का पानी जमने लगा है। पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान माइनस में चला गया है। ठंड बढ़ने के बाद अब पर्यटन स्थलों पर टूरिस्ट भी बढ़ने लगे हैं। लाहौल स्पीति के कोकसर में ठंड बढ़ने से झरमा जम गया। दिसंबर की सर्दी के बीच हिमालय के जंगल धधक उठे हैं। इससे उत्तर भारत में वायु प्रदूषण का खतरा और अधिक बढ़ गया है। उत्तराखंड के बागेश्वर, चमोली, गोपेश्वर और आसपास के इलाकों में आग का दायरा लगातार बढ़ रहा है। बागेश्वर की गढ़खेत रेंज के रियुनी, लखमार और बगोटिया के जंगलों में भी आग फैल चुकी है। चमोली के पोखरी और अल्मोड़ा रानीखेत के इलाके भी इसकी चपेट में आ चुके हैं। गढ़खेत के वनक्षेत्राधिकारी प्रदीप कांडपाल ने बताया कि आग का दायरा काफी बड़ा है, इसलिए काबू करने में समय लग रहा है।

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर संसद में चर्चा आज

- लोकसभा में पीएम मोदी करेंगे शुरुआत,10 घंटे का वक्त तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। वहीं, वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर 8 दिसंबर को संसद में खास बहस का आयोजन किया गया है। इस दौरान राष्ट्रीय गीत से जुड़े कई अहम

और ऐतिहासिक तथ्यों को सदन में रखा जाएगा, जिनके बारे में बहुत कम लोगों के पता है। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार की दोपहर 12 बजे लोकसभा में बहस की शुरुआत करेंगे। इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ अंतिम भाषण के साथ बहस का समापन करते नजर आएंगे। राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा चर्चा शुरू करने की संभावना है।

वैदिक ज्ञान आत्मसात करेंगे युवा, गांव-मुहल्लों में होगी वेद पूजा

आरएसएस शुरू करेगा मुहिम,सेवा संस्थान ने शुरू किया प्रयास

प्रयागराज (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुषांगिक संगठन हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान ने समाज में मूल्यों की स्थापना के लिए कुछ प्रयास शुरू किए हैं। इसी दिशा में दिसंबर में संगठन के स्वयंसेवक अपने आसपास के मंदिरों में नई पीढ़ी के लोगों को ले जाएंगे। उनसे वेद पूजन कराया जाएगा। इसका महत्व भी उन्हें समझाया जाएगा। संगठन ने आध्यात्मिक, प्रबुद्ध, शिक्षाविद एवं सेवाभावी लोगों के जरिए मूल्य निर्माण से नव भारत निर्माण में सहयोग का आह्वान किया है। युवा पीढ़ी को जीवन मूल्यों में प्रशिक्षित करने वाले शिक्षकों की कार्यशाला भी जुलाई व अगस्त में प्रदेशभर में कराई जाएगी। प्रत्येक वार्ड व गांव में प्रकृति वंदन के तहत

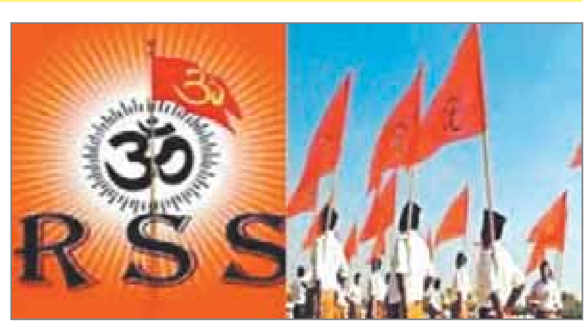

वृक्षारोपण के साथ प्रतिदिन पौधों को पानी देने का अभियान चलाया जाएगा। समाज में छह सिद्धांतों के आधार पर संस्कारों को विकसित करने की मुहिम शुरू हो रही है।

सामूहिक संपूर्ण वंदेमातरम् गान समारोह 16 को- हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान के क्षेत्र संयोजक अमरनाथ के अनुसार 16 दिसंबर को राष्ट्रगीत वंदेमातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सामूहिक संपूर्ण वंदेमातरम् गान समारोह होने जा रहा है। सुबह 10 बजे भारत स्काउट एंड गाइड इंटर कालेज में बड़ी संख्या में विद्यार्थी एकत्र होंगे। इस मौके पर पद्मश्री डा. सोमा घोष विशिष्ट अतिथि रहेंगी जबकि मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य होंगे।

मंदिरों में वेद पूजन के आयोजन होंगे

इसके बाद गांव व मुहल्लों के अलग-अलग मंदिरों में वेद पूजन के आयोजन होंगे। साथ ही विभिन्न प्रकार के शपथ भी दिलाने की तैयारी है। नई पीढ़ी से शपथ में कहलवाया जाएगा कि मैं वनों के प्रतीक रूप में वृक्षों का सम्मान करूंगा। वन्य जीवों के प्रतीक नागों अर्थात सर्पों, जीवित प्राणियों के प्रतीक रूप में गायों, प्रकृति के प्रतीक गंगा का सम्मान करूंगा। पर्यावरण के प्रतीक धरती माता, मानवीय मूल्यों के प्रतीक अभिभावकों, शिक्षण के प्रतीक अध्यापक का, मातृत्व के प्रतीक स्त्री का और भारत के प्रतीक रूप में युद्ध नायकों का सम्मान करूंगा। इसके अतिरिक्त हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा संस्थान की ओर से सेवा कार्यों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

स्मृति मंधाना-पलाश मुछाल की शादी कैंसिल

- स्मृति ने लिखा-मामले को यहीं खत्म करना चाहती हूं, अब आगे बढ़ने का वक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और सिंगर पलाश मुछाल की शादी कैंसिल हो गई है। स्मृति और पलाश ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाकर इसकी जानकारी दी। दोनों की शादी 23 नवंबर को होनी थी। संगीत से लेकर हल्दी के कार्यक्रम हो चुके थे। बारात की तैयारियां चल रही थीं। ऐसे में 23 नवंबर की सुबह स्मृति के पिता को हार्ट अटैक आने के बाद शादी पोस्टपोन कर दी गई थी। शादी टलने के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें फैलने लगीं। दावा किया गया कि पलाश ने स्मृति के साथ धोखा किया है और उनका नाम वेडिंग कोरियोग्राफर से जोड़ा गया। इसी बीच, स्मृति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शादी से जुड़ी सभी तस्वीरें हटा दी थीं।

अब ग्रेटर हैदराबाद में बाबरी मस्जिद मेमोरियल बनाने का ऐलान

- तहरीक मुस्लिम शब्बन के प्रेसिडेंट बोले- बाबर के नाम से परेशान नहीं होना चाहिए

हैदराबाद (एजेंसी)। तहरीक मुस्लिम शब्बन ने ग्रेटर हैदराबाद में बाबरी मस्जिद मेमोरियल और वेलफेयर इंस्टीट्यूशन बनाने के प्लान का ऐलान किया है। यह फैसला मस्जिद गिराए जाने की 33वीं बरसी पर बाद लिया गया। संस्था के प्रेसीडेंट मुश्ताक मलिक ने कहा हम जल्द ही ऐलान करेंगे कि यह कैसे और कितने समय में बनाया जाएगा। मलिक ने कहा कि बाबर के नाम से किसी को परेशान नहीं होना चाहिए, उन्होंने दावा किया कि यह मुद्दा पॉलिटिकल प्रोपेगैंडा है। इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के सस्पेंड एमएलए हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण की नींव रखी है। कबीर ने दावा किया कि वह कुछ भी गैर-कानूनी नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कोई भी मंदिर बना सकता है, कोई भी चर्च बना सकता है।

11 से 14 दिसंबर तक सजेगा 'परी बाजार' हेरिटेज फेस्टिवल

कला, फैशन, दास्तांगोई, सूफी नाइट और बच्चों के कार्यक्रमों का अनोखा संगम

भोपाल (नप्र)। नवाबी तहजीब, विरासत और संस्कृति के लिए मशहूर भोपाल एक बार फिर रंग-बिरंगे सांस्कृतिक उत्सव का मेजबान बनने जा रहा है। ऐतिहासिक गौहर महल में 11 से 14 दिसंबर तक 'बेगम्स ऑफ भोपाल' के वार्षिक कार्यक्रम 'परी बाजार द हेरिटेज फेस्टिवल' का छठा संस्करण आयोजित होगा।

वूमेन एजुकेशन एंड एंपावरमेंट सोसायटी (वीस) द्वारा होने वाले इस आयोजन में इस साल की थीम 'सशक्त मध्यप्रदेश' रखी गई है।

फेस्टिवल की संयोजक रख्शां शमीम जाहिद ने बताया कि यह थीम प्रदेश की महिलाओं की शक्ति, स्थानीय कला और सांस्कृतिक धरोहर को एक ही मंच पर लाने का प्रयास है। उनका कहना है कि नई सोच, उभरता समाज और परंपराओं की नई धड़कनों को यह थीम अभिव्यक्त करती है।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग और वीर भारत न्यास का सहयोग है। इस दौरान बीनू धीर, सेहबा फरहत सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

चार दिन- एक उत्सव, कई रंग
रंगोली आर्ट और स्लोगन कैलिग्राफी
पारंपरिक ट्राइबल डांस
म्यूजिकल ईवनिंग

ज्वेलरी मेकिंग, कैनवास पेंटिंग
मैजिक शो, ओपन माइक और पटियाबाजी
दास्तांगोई, चारबैत, बुक रिव्यू
अखिल भारतीय कवि सम्मेलन व शाम-ए-गज़ल
किड्स फैशन शो में परिधान संस्कृति की झलक

कला और संगीत की यह विविधता हर शाम गौहर महल को उत्सव का नया रंग देगी।

ये कार्यक्रम भी होंगे

12 दिसंबर - फौजिया दास्तांगों भगवान श्रीकृष्ण विषय पर दास्तान सुनाएंगी

13 दिसंबर - रानी अहिल्याबाई होल्कर को समर्पित महेश्वरी थीम फैशन शो

14 दिसंबर - साबरी ब्रदर्स की सूफी नाइट, उत्सव का भव्य समापन

पेंटिंग प्रदर्शनी भी

इसके अलावा भोपाल की 50 विरासत इमारतों की पेंटिंग प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसे वरिष्ठ चित्रकार फैजल मतीन ने तैयार किया है।फेस्टिवल के दौरान समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 20 से अधिक महिलाओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

परिक्रमा

पुलिस की जनता के प्रति धारणा बदलने पर जोर देते मोदी

अरुण पटेल

लेखक सुबह सवेरे के प्रबंध संपादक हैं

छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर में पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के 60वें अखिल भारतीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवाओं के बीच पुलिस के प्रति जनता की धारणा बदलने पर विशेष बल देते हुए नजर आये। लगता है पुलिस के प्रति युवाओं सहित समाज के विभिन्न आयु वर्ग के लोगों में जो छवि उभर कर आ रही है उसको पारखी निगाहों से देखने में प्रधानमंत्री मोदी ने कोई चूक नहीं की बल्कि पुलिस को सचेत कर उन्होंने एक प्रकार से आगाह करने का काम किया है। आम आदमी के प्रति पुलिस का जो व्यवहार है वह सम्मानजनक नहीं कहा जा सकता। प्रधानमंत्री की नसीहत पर यदि पुलिस ध्यान देगी तो इससे उनकी छवि में निखार अवश्य ही आयेगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि पुलिस के प्रति जनता की धारणा बदलने के लिए दक्षता, संवेदनशीलता और जवाबदेही को बढ़ावा दिया जाना चाहिये। उन्होंने शहरी पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने, पर्यटक पुलिस को फिर से सक्रिय करने और औपनिवेशिक काल के आपराधिक कानूनों के स्थान पर लागू किए गए नये भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के बारे में जन-जारुकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। चूंकि नये कानून में बदलाव हुए हैं इसलिए प्रधानमंत्री का जोर देना जरुरी था ताकि लोगों को बदलाव की जानकारी हो सके और आम पुलिसजन संवेदनशील बन सके।

रायपुर में आयोजित यह सम्मेलन इस मामले में काफी अर्थवान माना जायेगा कि इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के विभिन्न मुद्दों पर न केवल गहन विचार-विमर्श हुआ अपितु विजन 2047 की दिशा में पुलिस व्यवस्था के दीर्घकालीन रोडमैप, आतंकवाद निरोध और कट्टर निरोध में उभरते रुझान, महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने में तकनीकी का लाभ उठाने और विदेशों में रह रहे भारतीय भगोड़ों को वापस लाने की रणनीति तथा प्रभावी जांच व अभियोजन सुनिश्चित करने के लिए फारेंसिक क्षमताओं को मजबूत करने पर व्यापक रुप से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस और व्यापक प्रशासन को और निरजन द्वीपों को एकीकृत करने के लिए नवीन रणनीतियां अपनाने, राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड यानी नेट ग्रिड के अंतर्गत एकीकृत डेटाबेस का प्रभावी उपयोग करने और कार्यवाही योग्य खुफिया जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रणालियों को आर्टिफिशियल माध्यम से जोड़ने पर भी बल दिया।

हंगामा खेज रहा विधानसभा सत्र

शीतकालीन सत्र में बैठकें कम व्यवधान ज्यादा रहा। मध्यप्रदेश विधानसभा के एक दिसम्बर से प्रारंभ हुए शीतकालीन सत्र की 4 बैठकों में लगभग पांच दर्जन बार हंगामे के दृश्य उपस्थित हुए और पक्ष विपक्ष के सदस्य एक-दूसरे पर गरजते बरसते नजर आये। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रतिपक्ष कांग्रेस को नसीहत देते हुए यहां तक कहते नजर आये कि सुनने की आदत डालनी होगी क्रोधित होने से कुछ नहीं होगा। किसानों की फसलों को हुई क्षति के मामले में गुरुवार 4 दिसम्बर को प्रश्नकाल के दौरान ही अच्छा-खासा हंगामा उस समय खड़ा हो गया जब किसानों को क्षति का मुआवजा नहीं मिलने को लेकर कांग्रेस के विधायक सरकार को घेरने का प्रयास करते नजर आये और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि यह भाजपा की सरकार किसान हितैषी है जो जनहानि पर 50 हजार की जगह 4 लाख रुपये, प्रति हेक्टर क्षति पर 3 हजार के स्थान पर 16 हजार रुपये दे रही है। जब कांग्रेस के सदस्यों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और वे विरोध करते रहे तो डॉ. यादव ने नसीहत देने के अंदाज में कहा कि सुनने की आदत डालनी होगी, रोने-धोने से कुछ नहीं होगा। कांग्रेसी सदस्यों ने कुछ देर बाद सदन से बर्हिगमन कर दिया। प्रश्नकाल में कांग्रेस के विधायक बाबू जंडेल ने मुख्यमंत्री की घोषणा के बावजूद किसानों को 16 हजार रु. की राशि अभी तक नहीं मिलने का आरोप लगाया, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने स्वीकार किया है कि 428 गांवों के 98 हजार 611 किसानों की 99 हजार 529 हेक्टर भूमि प्रभावित हुई है लेकिन मुआवजा अब तक नहीं मिला और बिजली बिल भी माफ नहीं हुए हैं। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने अपने उत्तर में कहा कि राशि का वितरण हो रहा है। उनके इस कथन को चुनौती देते हुए नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आपत्ति की और कहा कि यह असत्य कथन है। पांच हजार करोड़ का नुकसान हुआ है और 200 करोड़ दिये जा रहे हैं। इस पर मुख्यमंत्री यादव का कहना था कि कांग्रेस सरकार में 3 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाता था हमने 16 हजार दिया। इस दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच नोंकझोक भी हुई और अंततः कांग्रेस विधायकों ने सदन से बर्हिगमन कर दिया।

और यह भी

विधानसभा सत्र के दौरान अक्सर सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच आपस में व्यवधान की स्थिति बन जाती है, सब अपनी-अपनी बात कहना चाहते हैं और विपक्ष को माकूल जवाब देने में सत्तापक्ष भी पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन व्यवधान की जब भी स्थिति बनी अधिकांश मौकों पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की समझाइश के बाद ज्यादातर बार दोनों दलों के सदस्य मान गये और कार्रवाई आगे बढ़ी। लेकिन दो अवसर ऐसे भी आये जब विपक्षी सदस्यों ने सदन से बर्हिगमन किया। व्यवधान आता है तो अक्सर ऐसा हो ही जाता है कि जनता से जुड़े मुद्दे उसमें कुछ समय के लिए खो कर रह जाते हैं और व्यवधान 40 सेंकेंड से लेकर तीन मिनट तक अक्सर होता नजर आया। विपक्ष के सदस्य इस स्थिति के लिए सत्तापक्ष की मनमानी को मानते हैं ओर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का मानना है कि जनता के मुद्दों पर सरकार ठीक से जवाब नहीं दे पाई जबकि विपक्ष जवाब मांग रहा था। यदि सटीक जवाब मिलते तो व्यवधान जैसी कोई स्थिति नहीं बनती। जबकि सत्तापक्ष का तर्क था कि विपक्ष हवा-हवाई बातें कर रहा है और जवाब को सही न मानना इसकी पुरानी नीति है, विपक्ष जबरन विवाद खड़ा कर सुर्खियों में रहने का आदी है।

पाकिस्तान की महिला ने प्रधानमंत्री से मदद मांगी, पति को इंदौर में दूसरी शादी से रोकें!

पाकिस्तानी होते हुए विक्रम इंदौर में रह रहा और यहां शादी भी करने वाला है

इंदौर। कराची की महिला निकिता ने शुक्रवार एक वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद मांगी है। निकिता का कहना है कि उसका पति विक्रम पाकिस्तानी नागरिक होने के बावजूद बिना इजाजत इंदौर में रह रहा है और वहीं दूसरी शादी करने वाला है। इस पाकिस्तानी महिला निकिता नागदेव का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इस वीडियो में महिला ने प्रधानमंत्री से न्याय की अपील की। कहा कि उसके पति ने उसे धोखा दिया और अब भारत में दूसरी शादी कर रहा है। महिला ने इस वीडियो में पति को वापस पाकिस्तान भेजने की मांग भी की, ताकि उसे न्याय मिले। निकिता का पति पाकिस्तानी होने के बावजूद बिना अनुमति के इंदौर में रह रहा है।

अपील करने वाली निकिता नागदेव मूलतः पाकिस्तान की रहने वाली है। उसका कहना है कि विक्रम और मेरी शादी 26 जनवरी 2020 को पाकिस्तान

में हिंदू रीति-रिवाजों से हुई थी। शादी के एक महीने बाद, 26 फरवरी 2020 को विक्रम अपने साथ निकिता को भारत ले गया। यहां पहुंचते पर निकिता को पता चला कि विक्रम का उसके रिश्तेदार शिवांगी धींगरा के साथ अफेयर चल रहा है। जब निकिता ने इसकी शिकायत अपने ससुर से की, तो उन्होंने टालते हुए कहा कि लड़के तो अफेयर करते ही हैं।

जबरन पाकिस्तान भेजा

वीडियो में महिला ने बताया कि वीजा में तकनीकी खामी की वजह से 9 जुलाई 2020 को विक्रम ने उसे वापस कराची भेज दिया। इसके बाद विक्रम ने उसे भारत लाने की कोई कोशिश नहीं की। जबकि, निकिता ने उससे बार-बार अनुरोध किया। कोविड के दौरान विक्रम ने उसे जबरन पाकिस्तान भेजा और वापसी का कोई इंतजाम नहीं किया।

जब निकिता के पिता ने शिवांगी के पिता से बात की, तो उन्होंने भी कहा कि यहां लड़कियां भी अफेयर करती हैं, इन्हें कैसे रोका जाए। निकिता ने शिवांगी से गुजारिश की, कि वह किसी और से शादी कर ले। क्योंकि, वह अविवाहित थी। लेकिन इसके बावजूद शिवांगी और विक्रम ने भारत में सगाई कर ली और वे मार्च 2026 में शादी करने वाले हैं।

15 जनवरी 2025 को निकिता ने पाकिस्तान से ही व्हाट्सएप के जरिए इंदौर की सिंधी पंचायत मीडिएशन एंड लीगल कंसल्टेशन सेंटर में विक्रम के खिलाफ शिकायत की थी। पंचायत ने उसे इंदौर आकर व्यक्तिगत रूप से शिकायत दर्ज करने को कहा, लेकिन निकिता ने इनकार कर दिया। उसने मांग की कि सुनवाई पाकिस्तान से ही हो। पंचायत ने कलेक्टर को पत्र लिखकर विक्रम को डिपोर्ट करने की सिफारिश की, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद शुक्रवार को निकिता ने कराची से वीडियो जारी किया, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी से न्याय की गुहार लगाई गई। वीडियो में वे कहती है 'मुझे मेरे हक की लड़ाई लड़ने का मौका दीजिए। अगर सरकार न्याय नहीं देगी, तो मैं कोर्ट का रुख करूंगी।' निकिता का आरोप है कि विक्रम पाकिस्तानी नागरिक होने के बावजूद बिना सरकारी इजाजत के इंदौर में मकान खरीद चुका है और वहीं रह भी रहा है। सिंधी पंचायत के चेयरमैन किशोर कोडवानी ने बताया कि विक्रम का भारत में अवैध रूप से रहना और कारोबार करना गैरकानूनी है। पंचायत ने कलेक्टर को पत्र भेजा था। लेकिन, कोई जवाब नहीं आया।

आधे लीवर में कीड़ों का बड़ा सिस्ट 20 डॉक्टरों की टीम ने जान बचाई

जानवरों के ज्यादा संपर्क और दूषित पानी बनी बीमारी की वजह

इंदौर। एमवाय अस्पताल में हाल ही में एक बेहद दुर्लभ और जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की गई, जिसने चिकित्सकों को भी हैरान कर दिया। राजगढ़ जिले के 50 वर्षीय किसान के लीवर में 20x16 सेंटीमीटर का हाइडेटिड सिस्ट पाया गया, जिसमें लाखों छोटे परजीवी कीड़े भरे थे। मरीज लगातार पेट दर्द, भारीपन, खुजली और त्वचा संबंधी समस्याओं से जूझ रहा था। स्थानीय इलाज से राहत न मिलने पर उसे एमवाय अस्पताल रेफर किया गया।

डॉ. अरविंद घनघोरिया के नेतृत्व में 20 डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम ने चार घंटे तक चली लेप्रोस्कोपिक सिस्टेक्टोमी के जरिए सिस्ट को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला। सिस्ट ने मरीज के लगभग 50 प्रतिशत लीवर को नुकसान पहुंचा दिया था, जिसके बाद आधा लीवर हटाना पड़ा। सर्जरी के दौरान सिस्ट में मौजूद

लाखों परजीवियों को दवाओं से निष्क्रिय कर सक्शन मशीन के जरिए निकाला गया। डॉ. घनघोरिया के अनुसार यह बीमारी एक्जीनोकॉकस टेपवर्म से फैलती है, जो जानवरों के मल, दूषित पानी और मिट्टी के संपर्क में आने से होती है।

उन्होंने कहा कि यह समस्या केवल मांसाहारी ही नहीं, बल्कि शाकाहारी लोगों में भी तेजी से देखी जा रही है। डॉक्टरों ने लोगों से साफ पानी पीने, जंक फूड से दूरी रखने और स्वच्छता अपनाने की अपील की है। एमवाय की यह सर्जरी प्रदेश में दुर्लभ मामलों में एक बड़ी सफल उपलब्धि मानी जा रही है।

शराब ठेकेदार की आत्महत्या के बाद सहायक आयुक्त को निलंबित किया

देवास की सहायक आयुक्त पर 7.5 लाख महीना लेने का आरोप

भोपाल। शराब ठेकेदार दिनेश मकवाना की आत्महत्या के बाद सामने आए वीडियो ने प्रदेश के आबकारी विभाग में कथित अवैध वसूली के मामले को उजागर कर दिया। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में दिनेश मकवाना ने जिला आबकारी अधिकारी मंदाकिनी दीक्षित पर प्रतिमाह रू. 1.50 लाख की उगाही करने और माल बंद कराने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए थे।

इसी आधार पर मध्यप्रदेश शासन ने तत्काल प्रभाव से श्रीमती मंदाकिनी दीक्षित को निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय आबकारी आयुक्त कार्यालय ग्वालियर रहेगा तथा वे जीवन निर्वाह भत्ते की पात्र होंगी। मकवाना के आरोपों के अनुसार अब तक उससे 22 लाख से अधिक की वसूली की जा चुकी थी। आर्थिक दबाव और मानसिक तनाव ही उसकी खुदकुशी की वजह बताए गए हैं। देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने कहा कि वीडियो अत्यंत गंभीर है, निष्पक्ष जांच कर कठोर कदम उठाए जाएंगे।

दिवंगत आबकारी ठेकेदार के परिजनों ने इंदौर के कनाड़िया थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मामला तब और गर्मा गया जब सोशल मीडिया पर एक और वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कथित रूप से अधिकारी मृतक परिवार से बड़ी राशि को लेकर समय मांगती दिखाई दे रही हैं। हालांकि, दीक्षित ने सभी आरोपों को सिरे से निराधार बताया है। इंदौर के एक ठेकेदार ने भी ओवररेटिंग के दबाव का दावा करते हुए कहा कि एमआरपी 75 रू वाली देशी शराब 90 में बेचने को मजबूर किया जाता है।

10 बस और 22 ऑटो, ई-रिक्शा के चालान

इंदौर। यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में ट्रैफिक पुलिस ने शहरभर में बसों और ऑटो/ई-रिक्शा के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दिखावे की कार्रवाई में पुलिस ने 10 बसों और 22 आटो-ई रिक्शा के चालान बनाए। जबकि, हजारों की संख्या में ई रिक्शा नियमों को ताक में रखकर दौड़ रहे हैं। शिकायत के बाद भी ट्रैफिक पुलिस कार्रवाई करने की सुध नहीं लेती, जिससे शहर ट्रैफिक में नंबर वन नहीं बन पा रहा है। उधर, अभियान के दौरान कई बस चालकों को प्रतिबंधित क्षेत्रों में गाड़ियां खड़ी कर सवारियों को चढ़ाने, उतारने, क्षमता से अधिक सवारी बैठाने, निर्धारित वर्दी न पहनने और अव्यवस्थित तरीके से बस रोकने जैसे नियमों का उल्लंघन करते पाया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने वाहन चालकों को हिदायत दी कि वे निर्धारित स्थानों पर ही सवारियों को चढ़ाएं-उतारें।

रूम खाली करने की बात पर मारपीट

इंदौर। होलकर अपार्टमेंट में रूम खाली करने के विवाद में मकान मालिक और उसके परिवार के सदस्यों ने किराए पर रह रही चार छात्राओं से मारपीट की। भंवरकुआं पुलिस ने फरियादी खुशी सिंह पिता सुंदरलाल सिंह चौहान निवासी होलकर अपार्टमेंट की शिकायत पर आरोपी रोशन जायसवाल, उसकी मां संदीपा और बहन ऐश्वर्या के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने बताया कि उन्होंने और उनकी तीन सहेलियों विभा बागरी, रुचि गुप्ता और प्राची गुप्ता ने होस्टल किराए पर लिया था। छात्राओं ने रोशन को इसके एवज में 15 हजार रुपए एडवांस दिया था। फरियादी ने रोशल से कहा कि वे जनवरी से रूम खाली कर देंगी। इसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

रणजीत हनुमान मंदिर में प्रभात फेरी की तैयारियां, 9 दिसंबर से आयोजन

12 दिसंबर को निकलेगी भव्य प्रभात फेरी, गूंजेगा पश्चिमी इलाका

इंदौर। प्राचीन रणजीत हनुमान मंदिर में होने वाली भव्य प्रभात फेरी की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। मंदिर प्रबंधन ने विभिन्न जिम्मेदारियों का बंटवारा कर दिया है और पूरा परिसर उत्सव की रंगत से सराबोर दिखाई दे रहा है।

प्रभातफेरी के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया रथ मंदिर परिसर से निकालकर ग्राउंड में ले जाया गया, जहाँ उसकी तकनीकी जांच और ट्रायल रन लगातार किए जा रहे हैं। शुक्रवार रात रथ का रोड ट्रायल भी किया गया, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की दिक्कत न आए। इस बार प्रभातफेरी की खास आकर्षण दो विशाल झांकियां होंगी, जिनका निर्माण मंदिर के ग्राउंड में तेजी से हो रहा है। एक झांकी रामायण की थीम पर आधारित होगी, जबकि दूसरी आधुनिक एलईडी लाइटिंग के माध्यम से मंदिर में संचालित सेवाओं और विकास कार्यों को प्रदर्शित करेगी। भक्त मंडल के सदस्य इन झांकियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। मुख्य पुजारी पं. दीपेश व्यास ने बताया कि प्रभातफेरी को निर्बाध और सुरक्षित बनाने हेतु सभी तैयारियां कड़ी निगरानी में चल

रही हैं। ढोल समूह के सदस्य प्रतिदिन अभ्यास कर रहे हैं। हनुमंत ध्वज पताका ग्रुप के लगभग दो हजार सदस्य यात्रा में सेवाएं देंगे।

प्रभात फेरी का मार्ग- 12 दिसंबर की सुबह 5 बजे यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर द्रविड़ नगर चौराहा, महू नाका चौराहा, अन्नपूर्णा रोड, दशहरा मैदान और अन्नपूर्णा मंदिर होते हुए नरेंद्र तिवारी मार्ग से पुनः मंदिर लौटेगी। लगभग 4 किमी लंबी यात्रा लगभग 7 घंटे चलेगी। उधर, नगर निगम पेड़ों की छंटाई और मार्ग सज्जा में जुटा है। सड़क के दोनों ओर भगवा पताकाएँ यात्रा के माहौल को और भव्यता प्रदान कर रही हैं।

लेडी कांस्टेबल के परिजनों को उसके लिव-इन रिलेशन की जानकारी नहीं

बयान के बाद परिजन महिला का शव लेकर रवाना हो गए

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में चार दिन पहले अज्ञात कारणों से आत्महत्या करने वाली लेडी कांस्टेबल प्रिया यादव के परिजन शनिवार को इंदौर पहुंचे। परिजनों ने पुलिस को बताया कि प्रिया ने कवीन्द्र के बारे में बताया था, लेकिन रुम शेयरिंग की बात कभी नहीं की। परिजन बयान के बाद शव लेकर शाम को रवाना हो गए।

एएसआई मनोज कुमार को प्रिया के मामा के बेटे मनीष ने बताया कि कवींद्र पास के ही गांव का रहने वाला है। प्रिया ने परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर वर्ष 2014 में गांव के ही रहने वाले अमित कुमार राय से प्रेम विवाह किया था। तब प्रिया पढ़ाई कर रही थी। अमित उसे लेकर इंदौर चला गया। प्रिया के पिता उस समय गांव के प्रधान थे। अमित अलग समाज का था। समाज में इज्जत खराब होने के चलते उन्होंने प्रिया से नाता तोड़ दिया और बात करना पूरी तरह से बंद कर दिया था।

चार साल पहले नौकरी मिली- लंबी बीमारी के चलते वर्ष 2021 में अमित की मौत हो गई थी। इसके बाद परिवार की प्रिया से दोबारा बातचीत शुरू हुई। वर्ष 2023 की शुरुआत में उसे पति की अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। ट्रेनिंग के बाद उनकी पोस्टिंग इंदौर में हुई। परिवार में प्रिया की दो बहनें और दो भाई हैं, जिनमें एक बहन की कुछ साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। प्रिया एरोड्रम इलाके में शुभम पैलेस कॉलोनी में किराए से रह रही थीं।

ड्यूटी के दौरान हुई पहचान

प्रिया और कवींद्र दोनों ट्रैफिक विभाग में काम करते थे। इसी दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी, जो बाद में दोस्ती में बदल गई। कुछ दिन बाद प्रिया ने कवीन्द्र के साथ लिव इन में रहना शुरू कर दिया था। कवींद्र पहले छत्रीपुरा थाने में पदस्थ था। बाद में उसे ट्रैफिक विभाग में भेज दिया गया। प्रिया ने कवींद्र को सब कुछ बता दिया था। प्रिया ने कवींद्र से शादी के लिए कहा था। लेकिन कवीन्द्र के परिजन इस पर राजी नहीं हुए तो वह लिव इन में रहने लगी थी। उधर, पुलिस ने प्रिया के मोबाइल की डिटेल खंगालनी शुरू कर दी है। इसी से आत्महत्या के कारणों का पता चल सकेगा।

संपादकीय

बदइंतजामी की सजा यात्रियों को क्यों

देश की दूसरी सबसे बड़ी और घरेलू उड़ानों के हिसाब से पहली विमान कंपनी इंडिगो में कुप्रबंधन के कारण देश भर उड़ानों के लगातार कैंसिल होने, विमान यात्रियों के परेशान होने और इस मौके का फायदा दूसरी विमान कंपनियों द्वारा उठाने के ताजा और गंभीर घटनाक्रम ने साबित कर दिया है कि इस क्षेत्र को पूरी तरह निजी क्षेत्र के भरोसे छोड़ने का क्या अंजाम होता है। सरकार ने भी इस मामले में तब हस्तक्षेप किया, जब समूचे देश में हाहाकार मच गया और सरकार की साख पर आंच आने लगी। इंडिगो की यह बदहाली भी एक सरकारी आदेश एफडीटीएल के कारण हुई बताई जाती है, जिसके तहत पायलटों को हर हफ्ते 48 घंटे का विश्राम देना जरूरी कर दिया गया। मोदी सरकार ने यह आदेश भी दिल्ली हाईकोर्ट के एक फैसले के बाद दिया था और वो भी पिछले साल। जाहिर है कि इस आदेश के पीछे मंशा बिल्कुल सही थी और इंडिगो जैसी विमान कंपनियां पायलटों का शोषण कर रही थीं। लेकिन आदेश जारी करते समय या तो सरकार ने निजी विमान कंपनियों के तंत्र को ठीक से नहीं समझा या फिर कंपनियों ने सरकार के आदेश को गंभीरता से नहीं लिया, इसी कारण यह अफरातफरी की स्थिति बनी कि लोगों का विमान कंपनियों पर से विश्वास उठने लगा है। इससे भारत की विमान सेवाओं के बारे में पूरी दुनिया में गलत संदेश गया है। इंडिगो का कहना है कि नया आदेश लागू होने के बाद से उसके पास स्टाफ की भारी कमी हो गई है और वह कम स्टाफ में इतने फ्लाइटें नहीं चला सकती। यहां प्रश्न यह है कि जब आदेश पिछले साल ही लागू हो गया था तो कंपनी ने समुचित संख्या पायलटों और क्रू मेंबर्स की भर्ती क्यों नहीं की। कंपनी अब तक क्या कर रही थी। दूसरी तरफ पायलट इस बात से नाराज है कि डीजीसीए मानकों के तहत 13 घंटे की ड्यूटी अवधि से ज़्यादा काम करने, 7 हजार करोड़ रू. के मुनाफ़े के बावजूद वेतन वृद्धि न होना और एयरलाइन द्वारा नए पायलट ड्यूटी मानदंडों की व्याख्या अपने हित में की जा रही है। गौरतलब है कि इंडिगो के स्वामित्व वाली कंपनी इंटरग्लोब एंटरप्राइज की स्थापना 2005 में राहुल भाटिया और राकेश गंगवाल ने की थी। बाद में गंगवाल की हिस्सेदारी कंपनी में कम हो गई। आज कंपनी के पास 1 लाख 16 हजार करोड़ की सम्पतियां हैं। कंपनी में 37 हजार से अधिक कर्मचारी काम करते हैं और इंडिगो प्रतिदिन देश और विदेश के 137 स्थानों के लिए 2 हजार 400 फ्लासइट्स रन करती है। कंपनी लाभ में चल रही है। बावजूद इसके इंडिगो अगर नए आदेश के अनुसार काम करना मैनेज नहीं पर पाई तो यह न केवल कंपनी के स्तर पर खामी है बल्कि उड़ानों की नियामक एजेंसी डीजीसीए की भी कमजोरी है कि समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया। इंडिगो ने जहां एक तरफ मनमाने ढंग से उड़ानें रद्द करना शुरू कीं वहीं दूसरी यात्रियों की मजबूरी का उठाना बेतहाशा किराया वसूलना शुरू किया। हालात बिगड़ने के बाद सरकार ने इसमें हस्तक्षेप किया और विमान टिकटों की अधिकतम दरें तय कीं तथा कैंसिल होने वाली सभी फ्लाइटों के यात्रियों के टिकटों की पूरी राशि लौटाने के निर्देश दिए। हालांकि कंपनी जैसा दावा कर रही है, हकीकत में वैसा सुधार नहीं दिखाई नहीं दे रहा है। आलम यह है कि छः-चार दिन में 2000 से ज़्यादा फ्लाइट कैंसल हो चुकी हैं। रोज़ाना औसतन 500 फ्लाइट लेट हो रही हैं। हजारों यात्री एयरपोर्ट पर फंसे हैं। कंपनी की बदइंतजामी की सजा यात्रियों को भुगतना पड़ रही है।

न्यूयार्क चुनाव: भारतीय राजनीति की तासीर अलग

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

न्यूयॉर्क के उस इलाके से भी श्री ममदानी जीते हैं जो वहां के संपन्न लोगों का इलाका है। वैसे तो न्यूयॉर्क के साथ-साथ दो अन्य राज्य वर्जीनिया, न्यू जर्सी में भी श्री ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी हारी है। ट्रंप के विरोध के बाद स्वाभाविक था कि न्यूयॉर्क के चुनाव की चर्चा ज्यादा हो। इन तीनों मेयर के चुनाव में श्री ट्रंप की पार्टी की हार से इतना तो निष्कर्ष निकलता ही है कि अमेरिका के मतदाताओं ने ट्रंप की शैली और नीतियों को नकारा है। श्री ममदानी की जीत को भारत के कुछ लोग जो मोदी के खिलाफ हैं और बहुत हद तक व्यक्तिगत खिलाफ हैं, वे भी ममदानी की जीत और ट्रंप की हार को मोदी की हार जैसा मान रहे हैं। भारत के कुछ मार्क्सवादी एनजीओ वादी इसे मार्क्सवादी साम्यवाद और कुछ लोग समाजवाद की जीत मान रहे हैं ।

न्यूयॉर्क के मेयर के चुनाव में श्री जोहरान ममदानी की जीत को कई प्रकार से देखा गया और प्रतिक्रियाएं व्यक्त की जा रही हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि श्री ममदानी की जीत ट्रंप की नीतियों के प्रति एक प्रकार का अविश्वास तो है ही, विशेषतः इसलिए भी कि श्री ट्रंप ने श्री ममदानी का नाम लेकर चुनाव के दौरान जो व्यक्तिगत विरोध सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया था और न्यूयॉर्क के मतदाताओं को धमकी भी दी थी कि यदि ममदानी जीत कर मेयर बने, तो वह स्टेट फंड बंद कर देंगे। उनकी इस धमकी और विरोध को न्यूयॉर्क के मतदाताओं ने एक चुनौती के रूप में लिया और ममदानी को जिताया। यह भी बताया गया कि न्यूयॉर्क के उस इलाके से भी श्री ममदानी जीते हैं जो वहां के संपन्न लोगों का इलाका है। वैसे तो न्यूयॉर्क के साथ-साथ दो अन्य राज्य वर्जीनिया, न्यू जर्सी में भी श्री ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी हारी है। ट्रंप के विरोध के बाद स्वाभाविक था कि न्यूयॉर्क के चुनाव की चर्चा ज्यादा हो। इन तीनों मेयर के चुनाव में श्री ट्रंप की पार्टी की हार से इतना तो निष्कर्ष निकलता ही है कि अमेरिका के मतदाताओं ने ट्रंप की शैली और नीतियों को नकारा है। श्री ममदानी की जीत को भारत के कुछ लोग जो मोदी के खिलाफ हैं और बहुत हद तक व्यक्तिगत खिलाफ हैं, वे भी ममदानी की जीत और ट्रंप की हार को मोदी की हार जैसा मान रहे हैं। भारत के कुछ मार्क्सवादी एनजीओ वादी इसे मार्क्सवादी साम्यवाद और कुछ लोग समाजवाद की जीत मान रहे हैं ।

क्योंकि श्री ममदानी भारतीय मूल के हैं। उनकी मां श्रीमती मीरा नायर और उनके पिता के पूर्वज अतीत में भारत से युगांडा गए थे। अतरू भारतीय समाज का एक हिस्सा भी श्री ममदानी की जीत से अति उत्साहित है। श्री ममदानी की विचारधारा क्या है कोई विचारधारा है या नहीं है, वे मार्क्सवादी है या समाजवादी हैं, या दोनों नहीं है, यह कहना अभी कठिन है। परंतु ऐसा अवश्य प्रतीत होता है कि वह दुनिया में पूंजीवाद ने जो विचारधाराओं को पीछे करने के लिए एक नया प्रयोग शुरू किया है की विचारधाराओं की कोई आवश्यकता नहीं है, बल्कि जब प्यास लगे तब कुआं को खोदो या पाइप या बाल्टी से या मशीन से या हाथ से जिस प्रकार समस्या का हल हो जैसे भी हल हो करो। उनके प्रवर्तक यह पूंजीवाद का एक नया विचार लाए है जो विचारधाराओं को पीछे करने और पूंजी तथा संपत्ति को सुरक्षित करने में एक कारगर हथियार है। जो कुछ समय सरकारी सुविधाएं देता है समाज के मतदाता वर्ग को इसका अभ्यस्त और रोगी बनाता है ऐसे कुछ प्रयोग हम लोगों ने पिछले वर्षों में देश और देश के बाहर देखे हैं।

श्री ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी में उनके कैरियर की शुरुआत हुई थी। उन्होंने उनके क्षेत्र के किराएदारों का किराया न बढ़ाने और मकान खाली न कराने की पहल की थी। इसके लिए 2017 में श्री जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क की एक संस्था के साथ काम शुरू किया था और 2020 में वे इसी आधार पर असेंबली का चुनाव जीते थे। श्री ट्रंप ने अपनी पार्टी के प्रत्याशी की हार के कई कारण बताए हैं, जिनमें शटडाउन जिसके चलते लाखों कर्मचारी वेतन नहीं पा रहे या काम नहीं कर रहे भी एक मुख्य कारण बताया है। हालांकि विशिष्ट मजाकिया शैली में उन्होंने यह भी कहा है कि उनकी फोटो नहीं लगी इसलिए उनका प्रत्याशी हार गया। श्री ममदानी ने जहां किराएदारों का किराया दोगुना करने से राहत दिलाने की पहल की, वही टैक्सी ड्राइवरों को कर्ज से राहत दिलाने के लिए 15 दिन की भूख हड़ताल भी की थी। यह उनके गांधी के तरीकों को अपनाने का भी संकेत था। उन्होंने अपने पहले भाषण में स्व नेहरू का नाम लिया जिससे भारत के कांग्रेस जन अति उत्साहित हैं। अपने भाषण के बाद उन्होंने कहा कि मैं मुसलमान हूं इससे मुस्लिम भाई भी उत्साहित हैं । हालांकि उनकी इस प्रतिक्रिया एक तबके में कुछ आशंकाएं प्रकट हुई है व कुछ विरोध भी हुआ है।

हम भारतीय लोगों का स्वभाव विचित्र है कि हमारे मूल का कोई व्यक्ति विदेश में जाकर जीतता है तो उसे भारत की जीत मानने लगते हैं श्री ऋषि सुनक जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने तब भारत ऐसा उत्साहित था जैसे भारत ने ब्रिटेन को जीत लिया हो। अब यही स्थिति ममदानी की जीत के बाद भी है। श्री ममदानी की जीत पर मैं भी खुश हूं कि शायद इससे ट्रंप की मनमानी और तानाशाही नीतियों पर रोक लग सके। भारतीय वैधानिक प्रवासियों को राहत मिले और ट्रंप की नीतियों और भारत विरोध में कुछ बदलाव हो। हालांकि न्यूयॉर्क में 90 लाख मतदाता हैं उनमें से भी आधे ने ही मतदान किया है ममदानी को मिले मत भारत के एक संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं से भी कम हैं और उन्हें अभी काफी दूर जाना है ।

हम भारतीय लोगों और मतदाताओं का,शाब्दिक सोच व्यापक है परन्तु आम मानस, क्षेत्रीय संकीर्णता का है। हम कहते हैं कि संपूर्ण विश्व एक परिवार के समान है, वसुदेव कुटुंकम,पर जब अपने देश के भीतर के लोगों से रिश्तों का प्रश्न होता है तो, फिर मानसिक सिकुड़न के शिकार हो जाते हैं। श्री सुनक यद्यपि अब ब्रिटिश नागरिक हैं पर भारतीय मूल के हैं। श्री ममदानी,अब अमेरिकी नागरिक हैं पर भारतीय मूल के हैं, तब भी ब्रिटेन के लोगों ने और अमेरिकी मतदाताओं ने उन्हें स्वीकारा या उनके मूल या जन्म के आधार पर, उनके धर्म के आधार पर कोई भेद नहीं किया। पर क्या हम भारतीय अपने देश में इस चीज का पालन करते हैं। शायद नहीं। अगर पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री श्री सुनक के घर में यानी उनके सरकारी आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट में भारतीय व हिंदू त्योहार मनाए जाते हैं तो हम भारतीय व हिंदुस्तानी खुश हो जाते हैं, अगर अमेरिका के व्हाइट हाउस में, अमेरिकी राष्ट्रपति जो ईसाई है ,हिंदू त्यौहार या पर्व मनाते हैं तो हम न केवल खुश होते हैं बल्कि इसे हमारी सांस्कृतिक जीत मानने लगते हैं, और अगर भारत में प्रधानमंत्री निवास में रोजा अफ्तार का आयोजन हो जाए, या राष्ट्रपति भवन में ईसाई मत का त्यौहार हो जाए तो तत्काल उसे राष्ट्र द्रोह कह देते हैं। यह छिपी सांप्रदायिकता व संकीर्णता है जो भारतीयता, भारतीय संस्कृति व दर्शन के खिलाफ है।

हम भारत में आए अवैधानिक अप्रवासियों को घुसपैठिए कहकर निकालने को चुनाव का मुद्दा बनाते हैं, और राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बनाते हैं और जब अमेरिका अवैधानिक अप्रवासियों को निकालता है जिनमें भारत से गए हुए लोग भी हैं तो उसे बुरा मानते हैं। एक देश के रूप में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी भूमिका में हमें इन प्रश्नों पर विचार करना होगा, इनका उत्तर देना होगा, तथा सुधार भी करना होगा।

भारत के मतदाता भाइयों से इतना अवश्य कहना चाहता हूं कि ब्रिटेन में श्री सुनक का प्रधानमंत्री बनना हो या न्यूयॉर्क में ममदानी की जीत इसमें जहां उनकी योग्यता तो शामिल है पर उससे अधिक ब्रिटेन और अमेरिका के मतदाताओं की उदार प्रगतिशील और लोकतांत्रिक मानस की भूमिका है, जिन्होंने देश-नस्ल-धर्म सीमाओं के आधार पर कट्टरता का चश्मा नहीं पहना बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों पर मत दिया और उसको ही प्राथमिकता दी। पर हम भारतीय मतदाताओं के रूप में व्यक्ति की योग्यता और नीतियों को चुनने की बजाय, जाति, धर्म, धन, शराब, क्षेत्र और विज्ञापन प्रचार के आधार पर दलों या व्यक्ति का चयन करते हैं, गुण या नीतियों के आधार पर नहीं। वर्ष 2004 में, जब कांग्रेस केंद्र में बहुमत से सरकार बनाने जा रही थी, तब कांग्रेस की ओर से श्रीमती सोनिया गांधी का नाम प्रधान मंत्री पद की चर्चा में आया था और शायद जनसमृति में, अब यह विस्मृत होगा कि तत्कालीन भाजपा नेत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने, बयान दिया था कि अगर श्रीमती सोनिया गांधी की शपथ कराई गई तो वे सिर मुंडा लेगी, जमीन पर सोएगी आदि आदि।यह ममदानी की जीत भारतीय मतदाताओं को भी अपने लिए एक कसौटी प्रस्तुत करती है।

श्री ममदानी की न्यूयॉर्क के मेयर पद पर जीत में, जो मित्र भारत में अति उत्साहित हैं, और इसे श्री ट्रंप और मोदी की जोड़ी की हार के रूप में देखकर खुश हो रहे हैं उन्हें भी, मैं, सावधान करना चाहूंगा कि ऐसी घटनाएं कई बार अपवाद स्वरूप होती है। श्री सुनक को, वापिस होना पड़ा। इसके पहले फिजी में भारतीय मूल के प्रधानमंत्री श्री चौधरी को बेइज्जत होकर हटना पड़ा था। इतना तो अवश्य है कि भारतीय व भारतीय मूल के, न्यूयॉर्क व अमेरिका के निवासियों को संतुष्ट करने के लिए तथा फिर उनका वापस समर्थन पाने के लिए, ट्रंप की नीतियों और विशेषता शाब्दिक भाषा में भी बदलाव करने की वाधता इस ममदानी की जीत से होगी। भारत के साथ जो रिश्तों में तल्खी पिछले दिनों पैदा हुई, उसे कम करने के लिए,कुछ सकारात्मक संदेश भी देंगे। पर भारत में, इतने मात्र से न सत्ता बदलेगी न व्यवस्था कुछ दिनों, सड़कों पर चर्चा होगी और फिर शांति हो जाएगी।

भारतीय राजनीति की तासीर कुछ अलग प्रकार की है और पिछले दो दशकों में उसे कुछ अलग प्रकार के मोड दे दिए गए हैं। इसलिए, भारत में परिवर्तन के लिए, जेन जी, ममदानी, सुनक आदि, बहुत उपयोगी या दूर तक कारगर नहीं होंगे। भारत में,तो बदलाव के लिए गांधी-लोहिया-भारतीयता-समता-उदारता आदि मूल्य ही आधार व कारगर हथियार होंगे।

विदेशिक घटनाओं ने, भारत को न पहले कभी बहुत प्रभावित किया, और न अभी प्रभावित करते प्रतीत हो रहा हैं। 1917 में रूसी साम्यवादी क्रांति, 1945 में चीन की साम्यवादी क्रांति भारत में मार्क्सवाद को राष्ट्रव्यापी नहीं बना सकी। बाहर की या दुनिया के अन्य देशों की घटनाएं, कुछ मानसिक वातावरण या हवा तो बनाती है परंतु भारतीय मतदाता, युवा, मजदूर, किसान की वोट देने की दिशा या मुद्दों को नहीं बदल पाती। भारत एक बहुभाषी बहुधर्मी, बहू प्रांतीय, विशालकाय देश व भू भाग है। इसे, बदलने को, मनों को छूना व वैचारिक क्रांति की पृष्ठभूमि तैयार करना भी उपयोगी व जरूरी होगा।

'सुजलम भारत' यानी पानी से भविष्य का पुनर्निर्माण

जल जीवन मिशन

अजित लाड़

(वरिष्ठ पत्रकार और समीक्षक)

भारत की विकास यात्रा हमेशा से जल की धारा जितनी ही गहरी और जटिल रही है। जिस धरती पर सभ्यता का उदय भी नदी-घाटियों से हुआ, उसी देश ने समय के साथ जल-संकट का ऐसा दौर भी देखा जहां लाखों लोग रोज़ाना सुरक्षित पानी के लिए संघर्ष करते रहे। लेकिन 2025 का भारत एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ऐसा मोड़ जहाँ पानी अब संकट की कहानी नहीं, बल्कि परिवर्तन का माध्यम बन रहा है। इसने देश के जल-प्रबंधन को जन-आंदोलन में बदल दिया। 'जल जीवन मिशन' इसकी सफलता का सबसे सशक्त उदाहरण है। 2019 में जब यह मिशन शुरू हुआ, तब मात्र 3.23 करोड़ ग्रामीण घरों में नल से पानी उपलब्ध था। यह आंकड़ा न केवल जल की कमी का, बल्कि उन करोड़ों जीवनों के संघर्ष का भी प्रतीक था। आज, 6 वर्षों में, यह संख्या 15 करोड़ से ऊपर पहुंच गई। यह परिवर्तन पाइपलाइन का नहीं, प्राथमिकताओं का है; यह संख्या का नहीं, संवेदना का है। हर नल कनेक्शन के पीछे एक परिवार की गरिमा, एक महिला की मुक्ति, एक बच्चे का उजला भविष्य और एक किसान की आशा जुड़ी है।

सरकार ने जल को केवल अवसंरचना का प्रश्न नहीं माना; इसे सामाजिक न्याय और समानता का मूलाधार माना। ग्रामीण भारत में जल का अभाव हमेशा से महिलाओं के श्रम, समय और सुरक्षा पर सबसे अधिक चोट करता आया है। कई राज्य ऐसे थे जहाँ महिलाएँ दिन के चार-पाँच घंटे सिर्फ पानी भरने में लगा देती थीं। वे शिक्षित होना चाहतीं, कुछ कमाना चाहती, परिवार को आगे बढ़ाना चाहती थी, लेकिन उनके समय पर पानी का अधिकार था, उनका नहीं। नल-जल कनेक्शन ने पहली बार इन महिलाओं को समय दिया है और समय से बड़ा सशक्तिकरण कोई नहीं। इसलिए 'जल जीवन मिशन' को केवल विकास कार्यक्रम कहना उसकी आत्मा के साथ अन्याय होगा; यह वास्तव में महिलाओं के सामुदायिक और आर्थिक उत्थान की ठोस नींव है। केंद्र सरकार यह अच्छी तरह समझती है कि विकास ऊपर से थोपा नहीं जाता। विकास तब टिकाऊ होता है जब उसमें जनता की साझेदारी हो। यही कारण है कि जल संचयन, वर्षा जल संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण जैसी पहल को सरकारी परियोजनाओं की भाषा में सीमित नहीं रखा गया।

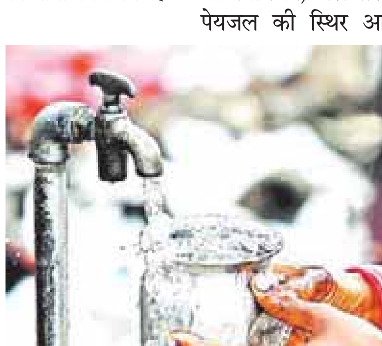

कैच द रेन, जल शक्ति अभियान और प्रधानमंत्री द्वारा बार-बार दोहराया गया मंत्र। कम उपयोग करें, पुनः उपयोग करें, पुनर्भरण करें और रीसायकल करें ने जल संरक्षण को जनभागीदारी का रूप दिया। यह पहली बार हुआ कि पानी पर चर्चा सिर्फ विशेषज्ञों की नहीं रही, बल्कि साधारण लोग, पंचायतें, स्वयंसेवी समूह, किसान, महिलाएँ और विद्यार्थी सभी इसके सक्रिय सहभागी बन गए। यही जनभागीदारी सुजलम भारत विजन 2025 का हृदय है। यह सम्मेलन केवल आधिकारिक भाषणों का मंच नहीं था; यह वह जगह थी जहां गांवों के प्रतिनिधि, वैज्ञानिक, नीति-विशेषज्ञ, तकनीकी नवप्रवर्तन और सामाजिक कार्यकर्ता एक साथ बैठे और भविष्य की जल-नीति की दिशा तय की। सरकार के इस मॉडल में नीति का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, नीचे से ऊपर भी है यानी नीति-निर्माण में जनता अनुभव-साझीदार भी है और नीति की सफलता में भागीदार भी। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जल प्रबंधन केवल समाधान का नहीं, बल्कि रणनीति का सवाल है।

जलवायु परिवर्तन से मोर्चा लेने के लिए सामूहिक सोच और स्थानीय समझ जरूरी है। इस सरकार में इस बात की समझ दिखाई देती है कि हर राज्य के अपने जल-चैलेंज हैं। कहीं आंध्र और तेलंगाना की तरह भू-जल दोहन, कहीं राजस्थान और गुजरात की तरह सूखा, कहीं पूर्वोत्तर की तरह बाढ़, और कहीं पंजाब-हरियाणा जैसे राज्यों में जल-प्रदूषण। यही कारण है कि 'सुजलम भारत विजन' में छह विषयगत क्षेत्र नदी पुनरुद्धार, ग्रे वाटर प्रबंधन, जल संरक्षण, तकनीक नवाचार, पेयजल की स्थिर आपूर्ति और सामुदायिक भागीदारी सिर्फ कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप ढाले गए स्तंभ हैं। सरकार की जल-दृष्टि की सबसे बड़ी ताकत यह है कि इसमें परंपरा और तकनीक दोनों को समान स्थान मिला है। भारत की जल-सभ्यता कभी बावड़ियों, तालाबों, कुओं, नदियों और झीलों पर आधारित थी। ये सिर्फ संरचनाएं नहीं थीं, यह समुदायों की जीवन-रेखा थीं। आधुनिक भारत ने इन परंपराओं को पीछे छोड़ दिया। अब नई सोच यह मानती है कि जल का भविष्य आधुनिक तकनीक और पारंपरिक बुद्धिमत्ता के संगम से ही सुरक्षित है। यह सामाजिक विज्ञान और विज्ञान दोनों के संतुलन की मिसाल है।

इसके अलावा इन सबके बीच, सबसे महत्त्वपूर्ण यह है कि जल सुरक्षा को सरकार ने स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, कृषि, पोषण और आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ा है। जल जीवन मिशन के साथ स्वच्छ भारत मिशन, पोषण अभियान, कृषि विविधीकरण और ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर का तालमेल एक एकीकृत सरकारी दृष्टिकोण की पुष्टि करता है। इससे स्पष्ट है कि केंद्र सरकार विकास को केवल योजनागत उपलब्धियों में नहीं मापती, बल्कि जीवन-गुणवत्ता में हुए सुधार से मापती है। 'नमामि गंगे' इस सोच का सबसे बड़ा प्रमाण है। गंगा भारतीय मानस का केंद्र है, और वर्षों तक गंगा की सफाई केवल राजनीतिक वादों में उलझ कर रह गई। लेकिन, इस सरकार ने गंगा को एक जीवित पारिस्थितिकी के रूप में देखा नदी, उसकी सहायक नदियां, तट, जल-प्रवाह, शहरी सीवेज-प्रबंधन, औद्योगिक उत्सर्जन और जैव-विविधता सभी को एक साथ लेकर काम किया गया। यह दृष्टि केवल प्रशासनिक नहीं, सभ्यतागत भी है। इसी से सबका विश्वास पनपता है और यह विश्वास कि सरकार सिर्फ घोषणा नहीं करती, करके दिखाती है।

सुजलम भारत का सपना तब पूरा होगा, जब नागरिक इसे अपना सपना समझें। यही इस सरकार का सबसे बड़ा योगदान है। उसने जल-सुरक्षा को लोक केंद्रित बना दिया। आज गांव का किशोर भी 'रिचार्ज पिट' का अर्थ समझता है; किसान माइक्रो इरिगेशन अपनाता है, महिलाएं जल समितियों में सदस्य बन रही हैं; विद्यार्थी वर्षा जल संचयन का अभियान चला रहे हैं और उद्योग अपनी पानी उपयोग क्षमता घटाने को तैयार हैं। यह माहौल किसी आदेश से नहीं बनता, यह तब बनता है जब लोग सरकार की नीयत और प्रयास पर भरोसा करते हैं। सरकार की जल-नीति का सार यही है कि विकास का वृक्ष तभी फलता है, जब जड़ें समाज में और पत्तियां शासन में हों, और दोनों में जल का प्रवाह बराबरी से चलता रहे। सुजलम भारत विजन, जल जीवन मिशन और जल संरक्षण की पहल इसी संबंध को पुर्नस्थापित कर रही हैं। यह देश को उस भविष्य की ओर ले जा रही हैं जहां जल-संकट इतिहास होगा और जल-सुरक्षा नई पहचान। ऐसे में एक शब्द में कहें तो सरकार ने पानी को संसाधन नहीं, संबंध बनाया है; समस्या नहीं, समाधान बनाया है; और शासन नहीं, जनभागीदारी का प्रतीक बनाया है। इसीलिए, सुजलम भारत केवल सरकारी योजना नहीं, यह भारत के भविष्य की नींव है।

स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों की हुई भरमार

सरोकार

डॉ. चन्दर सोनाने

लेखक मप्र जनसंपर्क विभाग के पूर्व अधिकारी हैं।

हाल ही में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पड़े 30 हजार पदों की भर्ती पर कारगार प्रयास नहीं करने पर एक समीक्षा बैठक में नाराजगी व्यक्त की है। आश्चर्य की बात यह है कि मुख्यमंत्री की नाराजगी के बावजूद स्वास्थ्य विभाग अभी भी इस दिशा में गंभीर नहीं दिखाई दे रहा है।

उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य विभाग में 46 हजार से अधिक पद रिक्त होने की करीब एक साल पहले स्वीकृति होने के बावजूद स्वास्थ्य अमले ने ठोस कार्रवाई नहीं की। मजेदार बात यह है कि हमेशा वित्तीय स्वीकृति में अडंगा लगाने वाले वित्त विभाग ने भी अपनी स्वीकृति दे दी थी। इसके बावजूद विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग (पीएससी) और कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) को रिक्त पदों की पूर्ति करने के प्रस्ताव ही नहीं भेजे गए।

सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न पदों के लिए एक वर्ष पूर्व 46 हजार 491 पदों की मंजूरी दे दी गई थी। इनमें से करीब 17 हजार आउटसोर्स कर्मी है। इस प्रकार कुल 30 हजार पदों पर पीएससी और ईएसबी को रिक्त पदों की पूर्ति करने हेतु प्रस्ताव भेजे जाने है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा उक्त रिक्तियों में से सिर्फ 7 हजार की भर्ती की ही कार्यवाही की गई है। इनमें से डॉक्टरों की भर्ती के लिए 600 लोग शॉर्ट लिस्ट भी हुए, किन्तु आज तक उनके इंटरव्यू तक नहीं हो पाए। नर्सिंग और ऐसे ही अन्य रिक्त पदों के बारे में किसी ने कोई चिंता ही नहीं की। स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न पदों की जो रिक्तियाँ है, वे आँखे खोलने वाली है। जैसे मेडिकल ऑफिसर की 518, स्पेशलिस्ट की 854, नर्सिंग ऑफिसर की 4,423, लैब टेक्निशियन की 894, फिजियोथैरेपिस्ट की 85, ओटी टैक्निशियन की 626, काउंसलर की 51, हॉस्पिटल मैनेजमेंट के लिए 33, हॉस्पिटल सुप्रीटेंडेंट की 45 पदों की स्वीकृति शासन से विभाग को प्राप्त है। इसी प्रकार ग्रुप डी वर्कर के 16,985 एएनएम के 9,366, एलएचवी के 165, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के 10,179, कम्प्यूटर ऑपरेटर के 336, हॉस्पिटल असिस्टेंड के 114 और वैक्सीन लॉजिस्टिक असिस्टेंड के लिए 1,705 पद रिक्त है।

मुख्यमंत्री द्वारा ली गई स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य विभाग के मंत्री और उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला और मुख्य सचिव अनुराग जैन भी मौजूद थे। एक आश्चर्यजनक बात यह भी सामने आई है कि स्वास्थ्य विभाग ने स्वीकृत पदों पर एक साल से अधिक समय पर कोई भर्ती नहीं की जाने पर स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्या बताई थी। तब मुख्यमंत्री द्वारा उक्त बैठक बुलाई गई। इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव श्री संदीप यादव और मिशन संचालक सुश्री सलोनी सिडाना भी मौजूद थे।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्वीकृत और रिक्त पदों की भर्ती के बारे में एक साल से भी अधिक समय से पीएससी और ईएसबी को कोई प्रस्ताव नहीं भेजने पर आश्चर्य व्यक्त किया और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की अच्छी क्लास ली। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों, नर्सों और अन्य पदों पर रिक्त पदों के कारण आमजन को कितनी परेशानी हो रही है, इससे विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को कोई लेना-देना नहीं! गरीब और आमजन अपने और अपने परिवार के सदस्यों के बीमार होने पर सरकारी अस्पताल की ही शरण लेते हैं और वहां भी डॉक्टर और नर्सों के नहीं होने पर कितनी परेशानी का सामना उन्हें करना पड़ता है, ये वे ही जानते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को चाहिए कि वे स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के लापरवाह वरिष्ठ अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें। इसके साथ ही सभी रिक्त पदों की पूर्ति के लिए समयबद्ध कैलेंडर बनाकर उस पर सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की हिदायत दें, ताकि सभी रिक्त पदों पर शीघ्र भर्तियां हो और आमजन को इसका लाभ मिल सके।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

बधाई देना जिगरे का काम है

व्यंग्य

सुनील जैन राही

लेखक व्यंग्यकार हैं।

बधाई हो बधाई, लल्ला हुआ है। तालियां और थालियां बजने लगीं। सारे मोहल्ले की गवैया महिलाएं इकट्ठी होकर ढोलक पर सारे जहां के लिए बधाई गाती। मजाल है कोई यह कह दे की फलानी बधाई, फलाने के लिए। यह बधाई राजाजी के लिए और यह मातहत के लिए। सभी दिल से स्वीकारते और वह घर आकर बधाई देते।

घर जाकर बधाई देने के जमाने लद गए। चिट्ठी तो आती नहीं बधाई क्या आएगी खाक अब तो डाकिया भी पहचान में नहीं आता। बस सरकारी कागज आए या अदालत का नोटिस, बहुत हुआ तो 59 की रॉयल्टी का चैक। अब तो जिसे आना है वह मोबाइल के इनबॉक्स में आता है। इतनी फुर्सत कहां की तुम्हारा इंतजार करें और कहे, कि भैया कब से खड़े हैं? यह आपका मनीआर्डर है, ले लो। बहुत दिनों के बाद बिटवा ने मनीऑर्डर भेजा है। मनीऑर्डर की खबर पाते ही मोहल्ला बधाई देने चला आता। अब तो चाहे जितने रुपए आएं, सीधे बैंक में। खुद को भी मैसेज बॉक्स में जाकर देखना पड़ता है कि, कितना पैसा आया है या फिर बैंक की किस्त का नोटिस- इस तारीख तक जमा कर दो?

जिस तरह डाकिये की आवाज से खुशी मिलती थी, वैसी खाते में जमा होने या फिर सूचना कि घंटी से मन को तसल्ली मिलती है। यह तो बाद में पता चलता है कि खुशी है या गम? लेकिन न तो कोई बधाई देने आता है और न ही दुख व्यक्त करने। कुछ तो बधाई देने के लिए ढोल-ताशे के साथ आते। होली पर ढोल लेकर आते और बधाई देते तथा बाद में दक्षिण भी पाते। अब तो होली पर गुलाल लगा दिया तो चेहरा लाल होने के बजाए लाल-पीला हो जाता है। यह अच्छा है कि बधाई में साम्प्रदायिकता नहीं देखी जाती। बधाई होली की हो या ईद की सभी देते हैं।

बधाई तो हर काल में दी गई और कलयुग में भी दी जा रही है। सुना था कलयुग बहुत खराब होगा, लेकिन कलयुग में इंटरनेट की बात तो किसी ने बताई नहीं? बताता कहां से उसे मालूम होता तो भविष्यवाणी करके चार पैसे ना कमा लेता? पहले सूखी-सूखी बधाई पर भी एकाद लड्डू हाथ पर रख दिया जाता। अब तो लड्डू रखने के पहले पूछना पड़ता है, कहीं आप डायबिटिक तो नहीं है? जहां पहले पांच लड्डू खाने और एक लोटा पानी डकारने के बाद कहते कि- खुश रहो ऐसे ही बधाई के मौके आते रहें। अब जेल जाने पर बधाई मिलती है। जेल से आने के बाद बैंड बाजे के साथ बधाई लय, ताल सुर के साथ दी जाती है। बड़े गर्व के साथ कहा जाता है बेटा पेरोल पर चल रहा है। सामने वाला बधाई देता है और साथ में कहता-अपने बेटे का नंबर शेयर कर दो, कभी काम आएगा। जेल जाना, जमानत पर रहना, जेल जाने जैसे कर्म करना भी बधाई का पात्र बना देते हैं। हमारे बड़े-बड़े नेता जेल गए और आज भी कुछ नेता जेल से हुकूमत चला रहे हैं। उनके पांव दबाने के लिए उच्च तबके के लोग तरसते हैं, जो पांव दबाकर आता है, वह भी बधाई का पात्र बन जाता है। लेकिन यह भी सच है कि बधाई हर एरे गैरे को नहीं दी जा सकती और ना दी जाती है। बधाई पाने के लिए उसका ओहदा, पद, प्रतिष्ठा के साथ-साथ उसका राजनीति/समाज में स्थान भी देखा जाता है। इससे भी बड़ी बात जिसको बधाई दी है उसने स्वीकारोक्ति चिह्न दिया है या नहीं? यह चिन्ह बहुत महत्वपूर्ण होता है, जिसको मिलता है उसकी बधाई सही स्थान पर चिपक जाती है, नहीं तो ढेरों बधाइयां आती हैं और धन्यवाद तक कहना पसंद नहीं किया जाता। अगर ज्यादा बड़ा हुआ तो सबको एक लाइन में निपटा दिया जाता है- आप सभी का धन्यवाद। इन चार शब्दों को कहने में उसे ऐसा लगता है कि उसने बड़ा भारी एहसान कर दिया है।

यही कारण है की बधाई का दायरा अंधे की रेवड़ी की तरह होता जा रहा है। अपनों को बधाई दी जाती है। भिन्न विचार, गुट, समूह और विरोधी दल को भूलकर भी बधाई नहीं दी जाती है। अगर दी तो यह संदेश जाता है कि अब उनकी निष्ठा संदेहास्पद हो गई है।बधाई वही देता है जिसके जिगरा होता है। इस आलेख पर उनकी बधाई आएगी जो मुझे अपना समझते हैं। अंधे की रेवड़ी जो है।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों का पालन जरूरी

सन् 2013 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने वाणिज्य विभाग में सहायक प्रोफेसरों की भर्ती हेतु इंटरव्यू आयोजित किए थे। याचिकाकर्ता बृजेश के अनुसार चार सौ उम्मीदवारों में वे सभी मेरिट मापदंडों में पहले स्थान पर थे। इसके बावजूद उन्हें नियुक्त नहीं किया गया और इन्हें प्रतीक्षा सूची में रखा गया। इसके अलावा कम मेरिट वाले उम्मीदवारों को साक्षात्कार के आधार पर नियुक्त किया गया। कृषि विभाग में भी याचिकाकर्ता धर्मेंद्र के मामले में यही आरोप था। दूसरे याचिकाकर्ता बृजेश ने सन् 2014 में रिट दायर की थी। इसे सन् 2016 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया। इसके बाद उन्होंने विशेष अनुमति याचिका दायर की।

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में यह स्पष्ट किया है कि विश्वविद्यालयों पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। यह टिप्पणी सर्वोच्च न्यायालय ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से जुड़े एक मामले का निपटारा करते हुए की। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्र और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की खंडपीठ सन 2013 में सहायक प्रोफेसरों की नियुक्तियों से संबंधित मामले पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता धर्मेंद्र कुमार और बृजेश कुमार तिवारी ने इन नियुक्तियों को पारदर्शिता के अभाव और अनुदान आयोग विनियम, 2013 के अनुरूप न होने के आधार पर चुनौती दी थी।

सन् 2013 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने वाणिज्य विभाग में सहायक प्रोफेसरों की भर्ती हेतु इंटरव्यू आयोजित किए थे। याचिकाकर्ता बृजेश के अनुसार चार सौ उम्मीदवारों में वे सभी मेरिट मापदंडों में पहले स्थान पर थे। इसके बावजूद उन्हें नियुक्त नहीं किया गया और इन्हें प्रतीक्षा सूची में रखा गया। इसके अलावा कम मेरिट वाले उम्मीदवारों को साक्षात्कार के आधार पर नियुक्त किया गया। कृषि विभाग में भी याचिकाकर्ता धर्मेंद्र के मामले में यही आरोप था। दूसरे याचिकाकर्ता बृजेश ने सन् 2014 में रिट दायर की थी। इसे सन् 2016 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया। इसके बाद उन्होंने विशेष अनुमति याचिका दायर की। सन् 2016 में सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायमूर्ति जे चेलमेश्वर और न्यायमूर्ति एएम सप्रे की पीठ ने नोटिस जारी कर नियुक्तियों पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की वकील ने सर्वोच्च न्यायालय में बताया कि बृजेश अब जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं और धर्मेंद्र बांदा यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी में प्रोफेसर हैं। इसलिए वे अब इस मुकदमे को आगे नहीं बढ़ाना चाहते। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के हालिया आदेश का हवाला देते हुए कहा कि एक बार राज्य उच्च अनुदान आयोग विनियम अपना ले, तो उसका पालन अनिवार्य होता है। उन्होंने बताया कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने सन् 2010 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के न्यूनतम योग्यता विनियम अपनाए थे और समय-समय पर संशोधित विनियम भी अपनाए। इन प्रस्तुतियों को ध्यान में रखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने अपीलें निपटा दी और यह टिप्पणी की कि आगे से बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में चयन प्रक्रिया विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियमों के अनुसार ही संचालित होनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि उत्तरदाता विश्वविद्यालय या कोई अन्य विश्वविद्यालय, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2013 (समय-समय पर संशोधित) के अधीन संचालित होते हैं, उन विनियमों और दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए वे बाध्य हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग क्या है, यह भी जानना चाहिए। भारत में, राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली तैयार करने का पहला प्रयास वर्ष 1944 में भारत में द्वितीय विश्व युद्ध के उपरांत शैक्षिक विकास पर केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के साथ हुआ। इसे सार्जेंट रिपोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। इस रिपोर्ट में अलीगढ़, बनारस एवं दिल्ली के तीन केंद्रीय विश्वविद्यालयों के काम की देखरेख के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के गठन की अनुशंसा की गई थी। वर्ष 1947 में, समिति को सभी तत्कालीन मौजूदा विश्वविद्यालयों की समस्याओं से निपटने का काम सौंपा गया था। वर्ष 1952 में, केंद्र सरकार ने निर्णय लिया कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों एवं अन्य विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को सार्वजनिक निधियों से अनुदान आवंटन से संबंधित सभी मामलों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को भेजा जा सकता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को औपचारिक रूप से नवंबर 1956 में संसद के एक अधिनियम के माध्यम से एक सांविधिक निकाय के रूप में स्थापित किया गया था।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उद्देश्यों में विश्वविद्यालय शिक्षा को बढ़ावा देना एवं समन्वय करना, विश्वविद्यालयों में शिक्षण, परीक्षा एवं अनुसंधान के मानकों का निर्धारण और रखरखाव करना है। साथ ही शिक्षा के न्यूनतम मानकों पर विनियम बनाना, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में विकास की निगरानी करना तथा विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों को अनुदान वितरित करना, संघ एवं राज्य सरकारों और उच्च शिक्षा संस्थानों के मध्य एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करना तथा विश्वविद्यालय शिक्षा में सुधार के लिए आवश्यक उपायों पर केंद्र एवं राज्य सरकारों को सलाह देना सम्मिलित है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 5 के अनुसार आयोग में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं दस अन्य सदस्य केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 12 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के कार्यों को निर्धारित करती है।

इसके कार्यों में विश्वविद्यालयों की वित्तीय आवश्यकताओं की जांच करना, आयोग की निधि से, केंद्रीय सरकार द्वारा धारा के अधीन की गई घोषणा के अनुसरण में विश्वविद्यालय माने जाने वाले संस्थानों को ऐसे अनुदान आवंटित और वितरित करना, जैसा वह आवश्यक समझे तथा विशेष मामलों में रखरखाव के लिए, विकास के लिए, किसी अन्य सामान्य या निर्दिष्ट उद्देश्य के लिये है। किसी विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय शिक्षा के सुधार के लिए आवश्यक उपायों की अनुशंसा करना तथा ऐसी अनुशंसा के कार्यान्वयन के लिये की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में विश्वविद्यालय को सलाह देना शामिल है। इन सबके अलावा आयोग 'नीट' परीक्षा भी करवाता है। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा नीट, आयोग की ओर से राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित एक प्रतियोगी परीक्षा है। यह परीक्षा वर्ष में दो बार, आमतौर पर जून एवं दिसंबर में आयोजित की जाती है। इसका उपयोग जूनियर रिसर्च फेलोशिप सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति एवं भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पीएचडी में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों की पात्रता निर्धारित करने के लिए किया जाता है। यह जानना भी उपयोग होगा कि आखिर राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी क्या है! राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की स्थापना उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश/फेलोशिप के लिये प्रवेश परीक्षा आयोजित करने हेतु एक प्रमुख, विशेषज्ञ, स्वायत्त एवं आत्मनिर्भर परीक्षण संगठन के रूप में की गई है। यह भारत के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्त एजेंसी है। इसकी स्थापना नवंबर 2017 में प्रवेश परीक्षा एवं भर्ती आयोजित करने के लिये की गई थी। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी दिसंबर 2018 से नीट का आयोजन कर रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय गरिमापूर्ण माहवारी दिवस

सत्य प्रकाश नायक

लेखक जेंडर मुद्दों पर कार्यरत हैं।

गरिमा, समानुभूति और रोजमर्रा की ज़िंदगी

भारत में आज भी माहवारी को धीमी आवाज़ों में, आधे-अधूरे वाक्यों में, और झिझक भरे इशारों में छिपाकर देखा जाता है—मानो यह शरीर की साधारण प्रक्रिया नहीं, बल्कि कोई गुप्त बोझ हो। हर महीने करोड़ों लड़कियाँ तीखे दर्द, पेट में मरोड़, पैरों में भारीपन, थकान, सिरदर्द, माइग्रेन, चिड़चिड़ापन और भावनात्मक उतार-चढ़ाव के बीच स्कूल, काम और रोज़मर्रा के अपेक्षाओं को संभालती हैं। इसके साथ जुड़ा डर—दाग़ दिख न जाए, कोई मज़ाक न बना दे, शिक्षक क्या सोचेंगे—उनके मन पर और दबाव डालता है। जिस बात पर विज्ञान साफ़ है, वह समाज की चुप्पी में उलझ जाती है। रोड़ा जैविक प्रक्रिया नहीं, बल्कि वह चुप्पी है जो उसके चारों ओर खड़ी कर दी गई है। और गरिमा केवल सुविधा से नहीं आती—गरिमा व्यवहार से आती है। घर में किसी की प्रतिक्रिया, स्कूल में शिक्षक का रवैया, दोस्तों का बर्ताव—यही मिलकर माहवारी का अनुभव तय करते हैं। मध्य प्रदेश के ग्रामीण और शहरी इलाकों में स्थिति अलग नहीं है- यहाँ भी लड़कियाँ पीड़ादायक माहवारी के बावजूद स्कूल आती हैं, पर शरम और डर की वजह से अपने अनुभव साझा नहीं कर पातीं। लगातार छिपाने का यह दबाव मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है—बोझ, शर्म, मज़ाक का डर और शरीर को 'राज़' की तरह छिपाने की मजबूरी कई किशोरियों में चिंता, आत्म-संदेह और सामाजिक दूरी पैदा कर देती है।

भारत में नीतियाँ आगे बढ़ रही हैं। मध्य प्रदेश में कई जिलों में सरकार ने जन-औषधि सुविधा से सिर्फ 1 रुपये में सैनेटरी पैड उपलब्ध कराना शुरू किया है, जबकि एक पैड की वास्तविक लागत इससे कहीं ज़्यादा होती है। कई स्कूलों और कॉलेजों में वेंडिंग मशीनें और नष्ट करने की व्यवस्था लगाई गई है। लेकिन अगर लड़की मशीन के सामने खड़ी होने में असहज महसूस करे—क्योंकि जगह सही नहीं, या लड़के वहीं खड़े हों, या सहेलियाँ मज़ाक कर दें—तो मशीन केवल तस्वीर में दिखने के लिए रह जाती है। कई विद्यालयों में वेंडिंग मशीनें महँगी होने के बावजूद धूल खाती रहती हैं, क्योंकि उपयोगकर्ता के लिए माहौल ही सुरक्षित नहीं है। यही कारण है कि असली बदलाव 'तकनीक लगाने' से नहीं बल्कि ऐसा माहौल बनाने से आएगा जहाँ लड़कियाँ बिना झिझक, बिना शर्म, बिना किसी की निगाहों का डर महसूस किए आसानी से पैड उठा सकें। महँगी मशीनों की जगह वही पैसा अधिक पैड खरीदने में लगाया जा सकता है, या फिर छात्रों को बेहतर विकल्प—जैसे मेंस्ट्रुअल कप या उच्च गुणवत्ता वाले रीयूज़ेबल कपड़े के पैड—दिए जा सकते हैं, जो लंबे समय तक टिकते हैं और आर्थिक रूप से भी प्रभावी हैं।

इसके अलावा भारत हर वर्ष अरबों डिस्पोज़ेबल पैड कचरे के रूप में पैदा करता है, जो न जलते हैं, न आसानी से गलते हैं, बल्कि मिट्टी और पानी को प्रदूषित करते हैं। ग्रामीण इलाकों में तो कई बार इन्हें खुले में फेंका जाता है, जिससे संक्रमण और गंदगी बढ़ती है। इसलिए टिकाऊ विकल्पों का प्रचार और प्रशिक्षण बेहद ज़रूरी है—मासिक कप 5-10 साल तक चल सकता है, और रीयूज़ेबल कपड़े के पैड धुलकर बार-बार इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इसके लिए स्वच्छता, सही उपयोग और सही जानकारी देना आवश्यक है, ताकि लड़कियाँ और महिलाएँ इन्हें बिना डर और बिना शर्म के अपनाएँ।

घर में भी अनजाने में कई तरह की पाबंदियाँ लगती हैं—किचन में मत जाओ, पूजा मत करो, मेहमानों से मत मिलो। ये बातें शरीर नहीं, मानसिकता को 'अशुद्ध' बना देती हैं। कामकाजी महिलाएँ कई बार तेज़ दर्द में भी छुट्टी माँगने से कतराती हैं क्योंकि माहवारी के दर्द को कमजोरी समझा जाता है। दूसरी ओर मासिक कप जैसे विकल्प—जो सुरक्षित, टिकाऊ और किफ़ायती हैं—तभी अपनाए जाते हैं जब बिना शर्म के, धैर्य से समझाया जाए। दुनिया भी इसी दिशा में बढ़ रही है। नेपाल में होने वाला 'अंतर्राष्ट्रीय गरिमामय मासिक धर्म शिक्षण सम्मेलन 2025' इस बात पर चर्चा करेगा कि कैसे माहवारी का भेदभाव शिक्षा, आवाजाही, मानसिक स्वास्थ्य, समानता और मानवाधिकारों को प्रभावित करता है। मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में समुदाय के युवा नेता लड़कियों को कार्यशालाओं में प्रशिक्षित कर रहे हैं, और किशोरियों के लिए चर्चा मंडल बनाए जा रहे हैं, जिससे वे अपने अनुभव साझा कर सकें। यह दिखाता है कि स्थानीय स्तर पर भी बदलाव की पहल हो रही है।

सबसे बड़ा बदलाव तभी आएगा जब इस बातचीत में सिर्फ लड़कियाँ नहीं, बल्कि पुरुष भी शामिल होंगे। जब पिता बिना झिझक पेड खरीद कर लाएँगे, जब भाई माहवारी को सामान्य समझेंगे, जब पुरुष शिक्षक बात करते समय हिचकिचाएँगे नहीं—तभी चुप्पी की दीवार कमजोर होगी। एक लड़की की गरिमा हर दिन उस माहौल से तय होती है जिसमें वह बड़ी होती है—क्या वह स्कूल में आराम से वॉशरूम माँग सकती है, क्या उसे दर्द होने पर 'ना-नुकर' नहीं मिलता, क्या उसे साफ़-सुथरा, सुरक्षित टॉयलेट मिलता है, क्या शिक्षक समझते हैं कि दर्द कोई बहाना नहीं है, क्या उसका परिवार उसके शरीर को रहस्य नहीं बल्कि सामान्य मानता है। इसलिए इस समय ज़रूरी है कि स्कूल सुविधाओं के साथ-साथ संवेदनशील माहौल को प्राथमिकता दें; परिवार प्रतिबंधों के स्थान पर खुली बातचीत को अपनाएँ; समुदाय माहवारी से जुड़ी शर्म को सामान्य बातचीत में बदलें; और नीति-निर्माता हर कार्यक्रम में गरिमा को केंद्र में रखें। माहवारी दिवस सिर्फ एक कैलेंडर तिथि नहीं—यह वह दर्पण है जो दिखाता है कि हम समाज के तौर पर कहाँ खड़े हैं।

किसी लड़की की पहली माहवारी डर या घबराहट का नहीं, आत्मविश्वास का पल होना चाहिए—ऐसा पल जब उसे पता हो कि घर, स्कूल और समाज उसके साथ खड़े हैं। जब फुसफुसाहट की जगह समझ आएगी, जब शर्म की जगह सहारा मिलेगा, जब तस्वीरों के लिए लगाए गए उपकरण सच में उपयोग में आएँगे—तभी हम एक ऐसी दुनिया बना पाएँगे जहाँ हर लड़की सीख सके, बढ़ सके और गरिमा के साथ जी सके। माहवारी कोई मासिक असहजता नहीं—यह जीवन की निरंतरता है। और इसे गरिमा देना सिर्फ महिलाओं का नहीं, हम सबका दायित्व है।

बोधि दिवस पर विशेष

श्वेता गोयल

लेखक शिक्षक हैं।

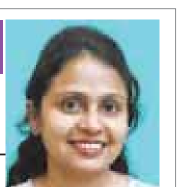

हजारों वर्षों बाद भी प्रासंगिक हैं गौतम बुद्ध की शिक्षाएं

हर साल 8 दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है, यह दिन राजकुमार सिद्धार्थ गौतम को परम ज्ञान की प्राप्ति के उपलक्ष्य में समर्पित है, जिसके बाद वे गौतम बुद्ध या जागृत व्यक्ति के रूप में जाने गए। दुनियाभर में यह पवित्र दिन विभिन्न नामों से मनाया जाता है और बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बोधि दिवस केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है बल्कि आध्यात्मिक जागरण, आत्म-ज्ञान और मानवीय करुणा का प्रतीक है, जो हमें जीवन के सार को समझने के लिए प्रेरित करता है। गौतम बुद्ध का जीवन एक असाधारण आध्यात्मिक यात्रा का प्रतिनिधित्व करता है। लुम्बिनी (वर्तमान नेपाल) में 562 ईसा पूर्व में जन्म लेने वाले सिद्धार्थ गौतम राजा शुद्धोधन के पुत्र थे, जो शाक्य वंश के वंशज थे। वे राजकीय सुख-सुविधाओं में पले-बढ़े थे लेकिन 29 वर्ष की आयु में उनकी सोच पूरी तरह बदल गई। एक बार राज्य भ्रमण के दौरान जब सिद्धार्थ ने आसपास की गरीबी, बीमारी और कष्ट को देखा, तो उनके हृदय पर गहरा प्रभाव पड़ा। राजसी जीवन उनके लिए अर्थहीन हो गया और उन्होंने सत्य की खोज के लिए सभी सांसारिक सुखों का त्याग कर दिया। एक रात चुपचाप राजमहल को छोड़कर सिद्धार्थ गौतम अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर निकल पड़े। अगले छह वर्षों में सिद्धार्थ ने कठोर तपस्या की और गहन आत्मनिरीक्षण के माध्यम से जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन किया लेकिन सच्चा ज्ञान उन्हें तब मिला, जब वह बिहार के बोधगया में एक बोधि वृक्ष के नीचे ध्यान में बैठे। यह वह क्षण था, जब सिद्धार्थ गौतम को अपने भीतर और ब्रह्मांड के रहस्यों का ज्ञान प्राप्त हुआ और वे 'बुद्ध' अर्थात् प्रबुद्ध या जागृत व्यक्ति बन गए। 'बुद्ध' शब्द संस्कृत में एक ऐसे व्यक्ति को संदर्भित करता है, जो अपने आत्मबोध और अध्यात्मिक चेतना तक पहुंच गया हो। यह घटना करीब 2,500 वर्ष पहले घटी थी और इसी के उपलक्ष्य में हर वर्ष 8 दिसंबर को बोधि दिवस मनाया जाता है।

बोधि दिवस की मनाई जाने वाली परंपराएं और इसका सांस्कृतिक महत्व सारी दुनिया में समान हैं। इस दिन बौद्ध धर्म के अनुयायी गहन ध्यान करते हैं, बौद्ध ग्रंथों का जाप और अध्ययन करते हैं और महात्मा बुद्ध की पूजा करते हैं। बोधि दिवस केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है बल्कि यह एक सामूहिक मंच प्रदान करता है, जहां लोग सामान्य भलाई के लिए काम करने के लिए एकजुट होते हैं। इस दिन समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एक साथ आते हैं और दूसरों के कल्याण के लिए अच्छे कार्य करते हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी आपस में जुड़े हुए हैं और हमारे कार्यों का प्रभाव समाज के प्रत्येक सदस्य पर पड़ता है। गौतम बुद्ध ने अपनी शिक्षाओं के माध्यम से एक सार्वभौमिक धर्म की स्थापना की, जो आयु, जाति, राष्ट्रीयता, पेशे, लिंग और अन्य सभी सामाजिक बाधाओं से परे है। उनका दर्शन यह है कि आत्मज्ञान और मुक्ति का मार्ग सभी के लिए खुला है, चाहे वह कोई भी हो। बुद्ध ने मनुष्य को नैतिकता, ध्यान और ज्ञान के अभ्यास के माध्यम से आत्मज्ञान का रास्ता दिखाया। उनकी शिक्षा का केंद्र बिंदु मध्यम मार्ग है, जो अत्यधिक तपस्या और इंद्रिय भोग दोनों से बचता है। यह मार्ग सीधे निर्वाण की ओर ले जाता है, जो अज्ञानता, तृष्णा, पुनर्जन्म और दुःख से मुक्ति है। बुद्ध ने अपनी शिक्षा का सारांश आर्य अष्टांगिक मार्ग के माध्यम से दिया है, जिसमें सही दृष्टिकोण, सही संकल्प, सही भाषण, सही आचरण, सही आजीविका, सही प्रयास, सही सचेतनता और सम्यक समाधि शामिल हैं।

ये आठ सिद्धांत मन के प्रशिक्षण की एक व्यापक विधि प्रदान करते हैं। हजारों वर्षों बाद भी गौतम बुद्ध के उद्धरण और शिक्षाएं आज के मानव समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक और प्रेरणादायक हैं। बुद्ध ने कहा है, 'अतीत में मत रहो, भविष्य के सपने मत देखो, मन को वर्तमान क्षण पर केंद्रित करो।' यह उद्धरण हमें सिखाता है कि आज का क्षण ही सबसे महत्वपूर्ण है और हमें वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। बुद्ध ने कहा है, 'हर सुबह हम नया जन्म लेते हैं। आज हम जो करते हैं, वही सबसे ज्यादा मायने रखता है।' यह विचार हमें प्रत्येक दिन को एक नई शुरुआत के रूप में देखने के लिए प्रेरित करता है और हमारे कार्यों के महत्व को स्पष्ट करता है।

क्रोध और नकारात्मक भावनाओं से निपटने के बारे में बुद्ध का दर्शन विशेष रूप से मूल्यवान है। उन्होंने कहा है, 'आपको अपने क्रोध के लिए दंडित नहीं किया जाएगा, आपको अपने क्रोध द्वारा दंडित किया जाएगा।' यह उद्धरण हमें समझाता है कि क्रोध केवल दूसरों को नुकसान पहुंचाता नहीं बल्कि स्वयं को भी गहरा नुकसान पहुंचाता है। 'क्रोध को पकड़े रहना गर्म कोयले को किसी और पर फैंकने के इरादे से पकड़ने जैसा है, इसमें आप ही जलते हैं।' यह रूपक क्रोध की विनाशकारी प्रकृति को सुंदरता से दर्शाता है। बुद्ध के अनुसार, 'आपका सबसे बड़ा दुश्मन आपको उतना नुकसान नहीं पहुंचा सकता, जितना कि आपके अपने असुरक्षित विचार।' यह विचार हमें आत्मनिरीक्षण के लिए प्रोत्साहित करता है। समझ और करुणा के बारे में बुद्ध की शिक्षाएं भी गहराई से प्रभावशाली हैं। उन्होंने कहा है, 'यदि आप किसी के लिए दीपक जलाते हैं तो यह आपका मार्ग भी रोशन करेगा।' यह विचार दिखाता है कि दूसरों की मदद करना वास्तव में स्वयं को लाभ पहुंचाना है। 'एक मोमबत्ती से हजारों मोमबत्तियां जलाई जा सकती हैं और मोमबत्ती की उम्र कम नहीं होगी। खुशियां बांटने से कभी कम नहीं होतीं।' यह कहावत सामाजिक दायित्व और सामूहिक कल्याण का सार प्रस्तुत करती है। 'सभी को यह त्रिगुण सत्य सिखाएं, उदार हृदय, दयालु वाणी तथा सेवा और करुणा का जीवन वे चीजें हैं, जो मानवता को नवीनीकृत करती हैं।' यह उद्धरण मानवीय मूल्यों की आधारशिला को परिभाषित करता है। बोधि दिवस मनाने का उद्देश्य केवल ऐतिहासिक घटना को याद करना नहीं बल्कि बुद्ध की शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करना है। बोधि दिवस का दिन हमें जीवन के महत्वपूर्ण पाठों को याद करने, अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्य को खोजने और आध्यात्मिकता की नींव को मजबूत करने का अवसर देता है। यह दिन हमें इस बात के लिए प्रेरित करता है कि हम अपनी आंतरिक शक्ति को जागृत करें, ध्यान और आत्मचिंतन के माध्यम से आत्मज्ञान को प्राप्त करें और समाज के कल्याण के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करें। बुद्ध की शिक्षा में समाहित सार्वभौमिक मूल्य आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में शांति, संतुलन और सार्थकता की खोज का मार्ग दिखाते हैं। बोधि दिवस हमें संदेश देता है कि हम सभी अपनी परिस्थितियों से परे जा सकते हैं, आत्मज्ञान प्राप्त कर सकते हैं और एक अर्थपूर्ण जीवन जी सकते हैं।

श्री लक्ष्मी गोशाला में महामंडलेश्वर श्री 1008 शाश्वतानंद जी महाराज का आगमन हुआ

धार। धार की जेतपुरा स्थित श्री लक्ष्मी गोशाला में महामंडलेश्वर श्री 1008 शाश्वतानंद जी महाराज का आगमन हुआ । महाराज श्री द्वारा गौशाला की व्यवस्था देखकर प्रशंसा व्यक्त की एवं गौशाला में बनाए जा रहे नवनिर्मित हाल का अवलोकन भी किया। आपने

गौशाला में हो रही गो सेवा के लिए गौशाला समिति को धन्यवाद दिया एवं कहा कि आने वाले समय में जब मेरा धार आना होगा मैं गौशाला ने ही निवास करूंगा एवं गौशाला में भागवत कथा भी करूंगा। इस अवसर पर समिति के सवरक्षक बसंतीलाल जैन मामा एवं उपाध्यक्ष नंदराम टांक द्वारा महाराज जी का हार एवंश्रीफल देकर अभिनंदन किया । इस अवसर पर समिति अध्यक्ष नरेश राजपुरोहित, गौशाला व्यवस्थापक विलासराव तिवारी, राकेश राजपुरोहित के साथ ही गणमान्य जन उपस्थित रहे।

कवि संदीप शर्मा को अमेरिकन मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी की मानद डॉक्ट्रेट

धार। ग्लोबल एक्सिलेस सम्मिट, वेलकम होटल दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में हास्य कवि संदीप शर्मा को अमेरिका की अमेरिकन मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी, कैलिफ़ोर्निया द्वारा मानद डॉक्ट्रेट की उपाधि प्रदान की गई।यह सम्मान उन्हें हिंदी कविता की प्रस्तुति के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। समारोह में विश्व के कई देशों से ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने अपने-अपने कार्यों से विश्व को सकारात्मक दिशा में प्रभावित किया है। इस अवसर पर संदीप शर्मा की जीवनी लाफ़्टर ऐज़ ए मिरर ऑफ़ सोसायटी का भी प्रकाशन किया गया।

कवि संदीप शर्मा ने इस उपलब्धि के लिए ईश्वर का आभार जताया और यह सम्मान धार जिले की जनता, अपने शुभचिंतकों ,मित्रों तथा परिवार के सहयोग को समर्पित किया। संदीप शर्मा ने कहा कि यह सिर्फ मेरी उपलब्धि नहीं है । इस के माध्यम से मालवा के सहज आनंद और सरल जीवन को विश्व स्तर पर रेखांकित किया गया है । शुभचिंतकों और मित्रों ने उन्हें बधाइयाँ दी।

केसूर के 24 वर्षीय युवा अनुराग जैन की एक्सीडेंट में मृत्यु होने पर परिवार ने नेत्रदान किये

धार मानव सेवा कल्याण समिति द्वारा किया गया 25वां नेत्रदान है एवं 15 दिनों में किया गया पाँचवा नेत्रदान है

धार। केसूर के पिता और पुत्र अनुराग जैन उम्र 24 वर्ष सादलपूर अपने रिश्तेदार के यहाँ विवाह समारोह में शामिल होने जा रहे थे रास्ते में ही उनका एक्सीडेंट हो गया था जिसमे पिता घायल हो गए थे लेकिन पुत्र की मौत हो गई थी। जिन्हे धार भोज हॉस्पिटल लाया गया था ऐसी विकट परिस्थिति के बाद भी परिवारजनों ने उनके नेत्रदान का फैसला लिया । इंदौर के संदीपनजी आर्य और तेरापंथ युवक परिषद के शोभित जैन (नाहटा) ने उनके नेत्रदान हेतु धार मानव सेवा कल्याण समिति से संपर्क किया। समिति ने भोज हॉस्पिटल के नेत्र विभाग के डॉ. बौरासी और सहायक पीयूष परमार के माध्यम से उनके नेत्रदान सम्पन्न किये। इस दुखद घडी के पश्चात उनके नेत्रदान करने पर समिति ने परिवार का आभार व्यक्त किया। ये समिति द्वारा किया गया 25वां नेत्रदान है एवं 15 दिनों में किया गया पाँचवा नेत्रदान है।

बैतूल से 48 उपासकों का जत्था बोधगया के लिए रवाना

20वें अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक चैटिंग समारोह में होंगे शामिल

बैतूल। 20वें अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक चैटिंग समारोह, बोधगया में शामिल होने के लिए बैतूल से 48 उपासकों का जत्था रविवार 7 दिसंबर को श्रद्धा, उत्साह और धम्मभावना के साथ विधिवत रवाना हुआ। रवानगी के अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने उपासक-उपासिकाओं को धम्मध्वज दिखाकर मंगलकामनाएं दीं। सभी

यात्रियों का धम्मपट्टीका पहनाकर सम्मानपूर्वक स्वागत और विदाई की गई। उपस्थित समाजजनों ने इस आध्यात्मिक यात्रा के सफल, सुरक्षित और कल्याणकारी होने की शुभेच्छाएं प्रदान कीं। इस अवसर पर समाज के प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता एन. के. मांडवी, एम. पाटिल, शिवकिशोर पाटिल, एफ. एल. सरनकर, तुकाराम लोखंडे, भाऊराव भालेकर सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया, जिला बैतूल की ओर से संदीप पाटिल, धर्मदास दवंडे, दिनेश पाटिल, श्याम किशोर पाटिल, रमेश चंदेलकर, जगदीश हुरमाडे, राजेश भूमरकर, मीणा पाटिल, जयवंती चौकीकर तथा पूज्य भंते दीपांकर सहित समस्त अनुयायी भी मौजूद रहे और उन्होंने यात्रा दल को शुभाशीस के साथ अभिनंदन किया। संपूर्ण यात्रा का नेतृत्व आयु. कमलेश उबनारे द्वारा किया जा रहा है।

ओरछा को विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जाये : मुख्य सचिव श्री जैन

ओरछा का आर्थिक, सामाजिक विकास देखते हुए इंटीग्रेटेड मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश

भोपाल। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने ओरछा में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी परियोजनाएँ समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण की जाएँ जिससे ओरछा को विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने ओरछा शहर के आर्थिक, सामाजिक विकास को देखते हुए इंटीग्रेटेड मास्टर प्लान तैयार करने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव श्री जैन रविवार को पर्यटन नगरी ओरछा पहुंचे और विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया तथा निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्री जैन ने ओरछा में मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीराम राजा सरकार के दर्शन किए।मुख्य सचिव उन्होंने जुझार महल एवं हरदौल वाटिका का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वेंडर जोन का निर्माण इस तरह करें जिससे पर्यटकों को आवागमन में सुविधा हो।उन्होंने कहा कि खजुराहो महोत्सव को ध्यान में रखते हुए बुंदेलखंड सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित करने की कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्य सचिव

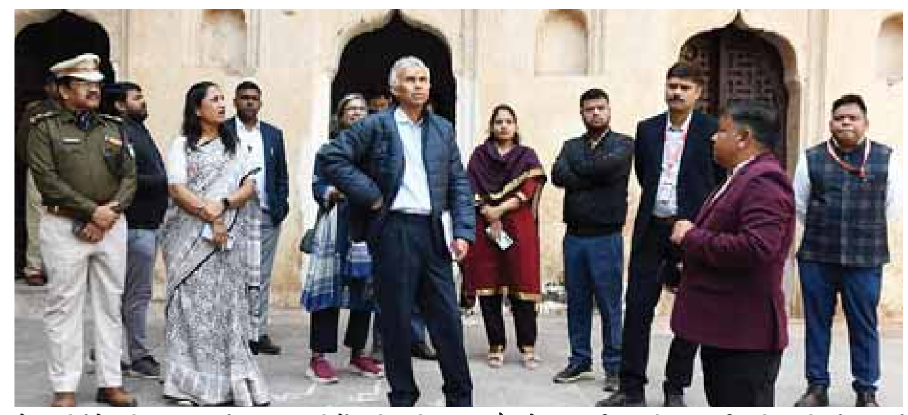

ने आर्कियोलॉजिकल पार्क पहुंचकर निर्देश दिए कि ओरछा का मास्टर प्लान तैयार करें। पीपीपी मोड पर चल रहे कार्यों में स्थानीय नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करें जिससे उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जा सके। मुख्य सचिव श्री जैन कंचना घाट भी पहुंचे और बेतवा नदी पर स्थित नवीन ब्रिज निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कंचना घाट पर संचालित पिंक टॉयलेट संचालन कार्य सेल्फ हेल्प ग्रुप को देने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों से संरक्षित भवनों की स्थिति, पर्यटक सुविधाओं और आवश्यक रखरखाव उपायों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन धरोहरों को संरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है मुख्य सचिव श्री जैन ने राय प्रवीण महल एवं तुलसी घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हों। उन्होंने जहांगीर महल का अवलोकन किया। उन्होंने होटल बेतवा रिट्रीट में श्रीराम राजा लोक और ओरछा में चल रहे विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।वर्तमान में आ रहे पर्यटकों एवं भविष्य में आने वाले पर्यटकों की संभावनाओं के दृष्टिगत कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शहर की सभी होटलों की स्टार रेटिंग कराई जाए। जुझार सिंह महल को बुंदेलखंड सांस्कृतिक केंद्र की तर्ज पर विकसित किया जाए। एडवेंचर स्पोर्ट्स को बढ़ावा दिया जाए। बुंदेली कला, पेंटिंग एवं टेराकोटा से बनने वाले उत्पादों की मार्केटिंग और ब्रांडिंग की जाए और उन्हें ऑनलाइन प्लेटफार्म पर लाकर विक्रय किया जाए। इस अवसर पर जिले के अधिकारी सहित कंसल्टेंट मौजूद रहे।

बैंक ने शाखा प्रबंधकों को ऋण वसूली अभियान में तेजी लाने के दिये निर्देश

जिले के 75 हजार से अधिक किसानों को उपलब्ध कराया था 364.11 करोड़ का ऋण

एस द्विवेदी, बैतूल। जिला केंद्रीय सहकारी बैंक ने जिले के हजारों किसानों पर बकाया कर्ज की वसूली के लिए अभियान की शुरुआत कर दी है। बताया जा रहा है कि खरीफ सीजन में जिले के 75,497 किसानों को 364.11 करोड़ रूपये का ऋण दिया गया था। जिनसे ऋण समझाइश दी जा रही है ताकि वे स्वयं ही राशि जमा कर दें। इसके अलावा बैंक द्वारा वसूली अभियान में तेजी लाने के लिए शाखा प्रबंधकों को भी निर्देशित किया गया है।

कालातीत की श्रेणी में 38,678 किसान- जिले में 91 सहकारी समितियां

की वसूली के लिए बैंक ने अपनी सभी 91 समितियों को निर्देश भेजकर स्पष्ट कर दिया है कि अब चालू, ओवरड्यू और कालातीत सभी तरह के ऋणों की वसूली तेज गति से की जाए। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के प्रबंधकों को लिखे पत्र में साफ तौर पर कहा गया है कि हर किसान से व्यक्तिगत संपर्क कर वसूली की स्थिति दर्ज की जाए, उनका मोबाइल नंबर और हस्ताक्षर संपर्क पंजी में अनिवार्य रूप से दर्ज किए जाएं। दरअसल प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को खेती-किसानी संबंधित विभिन्न जरुरतों को पूरा करने के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। यह ऋण सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध होता है। इस ऋण राशि की वसूली के लिए जिला सहकारी बैंक ने अभियान शुरू कर दिया है। अभी बैंक द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर किसानों को हैं। जिसके माध्यम से बैंक किसानों को ऋण उपलब्ध कराता है। बताया जा रहा है कि 75 हजार से अधिक किसानों को 364 करोड़ रूपये का ऋण उपलब्ध कराया जा चुका है। बैंक के आंकड़ों के अनुसार खरीफ सीजन से जुड़े किसानों पर अकेले 364.11 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया है, जिसमें सबसे ज्यादा हिस्सा ओवर ड्यू किसानों का है। करीब 38,678 किसान ओवर ड्यू श्रेणी में बताए जाते हैं। कालातीत ऋणों की संख्या भी कम नहीं है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था की हकीकत को सामने लाती है। हालांकि बैंक ने नवंबर से वसूली अभियान शुरू किया है, लेकिन अभी तक कितनी राशि वसूली जा सकी है, इस पर कोई स्पष्ट रिपोर्ट नहीं आई है। अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती चरण होने के कारण आंकड़े संकलन की प्रक्रिया में हैं।

वसूली अभियान ने बढ़ाई किसानों की चिंता

बैंक के वसूली अभियान ने किसानों की चिंता को बढ़ा दिया है। किसानों की चिंता इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि इस साल खरीफ की फसल जैसे ही पककर तैयार हुई, ऐन वक्त पर बारिश ने आकर खरीफ फसल को नुकसान पहुंचाया। ऊपर से किसानों को उपज के सहीं दाम भी नहीं मिल पा रहे है। किसानों का कहना है कि उपज के दाम पहले ही लागत के मुकाबले कमजोर हैं और मौसम की मार से फसल उत्पादन प्रभावित होता रहा है। ऐसे में वसूली किसानों के मानसिक दबाव को और बढ़ा सकती है। जिला केंद्रीय सहकारी बैंक का यह अभियान किसानों के लिए यह एक नई चुनौती बनकर उभरा है। क्योंकि किसान पहले से ही मौसम, बाज़ार और लागत के बोझ से कराह रहे हैं।

वसूली अभियान में तेजी लाने के निर्देश

जिलेभर की 91 समितियों को कड़े निर्देश जारी होने के बाद यह भी साफ है कि बैंक इस बार किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतना चाहता। दूसरी ओर किसानों के बीच आशंका बढ़ गई है कि यह सख्ती कहीं उनकी आर्थिक चुनौतियों को और न बढ़ा दे। बताया जा रहा है कि वसूली अभियान में तेजी लाने के लिए शाखा प्रबंधकों को वाहन तक मुहैया कराया गया है। इसके अलावा उन्हें गांवों में रात्रि विश्राम करने के निर्देश भी दिए गए हैं। आदेश इतना कड़ा है कि यदि कोई शाखा प्रबंधक दौरे पर नहीं मिलता या शाखा में ही मौजूद पाया जाता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई तय है। यही नहीं, यदि वसूली में प्रगति नहीं होती है तो शाखा प्रबंधक को क्षेत्र में ही रात्रि विश्राम करना होगा।

इनका कहना है –

ऋण की वसूली के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही किसानों को ऋण की राशि जमा करने के लिए नोटिस दिये जा रहे है, ताकि किसान समय पर ऋण का भुगतान कर सके।

– नीता निगम,
महप्रबंधक, जिला सहकारी बैंक बैतूल

कार्ययोजना की बैठक में बोले परिषद के पदाधिकारी

शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, एनीमिया मुक्त भारत अभियान चलाएंगे

बैतूल। भारत विकास परिषद की बैतूल शाखा की मासिक बैठक रविवार को फर्नीचर व्यवसायी एवं समाजसेवी राजा साहू के प्रतिष्ठान पर हुई। इसमें परिषद के उद्देश्यों को लेकर कार्य योजना तैयार की गई। बैठक में श्री साहू ने कहा कि स्वस्थ, समर्थ, संस्कृत भारत के निर्माण में योगदान ही भारत विकास परिषद् का उद्देश्य है। यह एक गैर राजनीतिक, स्वयंसेवी, सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था है। इसकी स्थापना 1963 में स्वामी

विवेकानंद के आदर्शों को लेकर भारत के सर्वांगीण विकास के लिए की गई थी। इस मौके पर बैठक में उपस्थित गौ सांसद युवराज मालवीय (श्री गौड़) ने कहा कि हम परिषद के माध्यम से गौ रक्षा एवं गौ संरक्षण के लिए सदैव कार्य करते रहेंगे। गौ माता को राष्ट्र माता बनाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। परिषद के उपाध्यक्ष आशीष पचौरी ने कहा कि भारत विकास परिषद के मुख्य कार्य और उद्देश्यों में सेवा और संस्कार, राष्ट निर्माण के कार्य, भारत को जानो प्रतियोगिता के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, एनीमिया मुक्त भारत अभियान जैसे कार्य शामिल है। शाखा के सचिव लतेश पवार ने कहा कि भारत विकास परिषद अपने सभी प्रकल्पों, जो भारतीय संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाना, बच्चों में संस्कार विकसित करना एवं उनके बौद्धिक विकास के लिए कार्य करने प्रतिबद्ध है। परिषद के कोषाध्यक्ष दिनेश पंडाग्रे ने कहा कि आगामी समय में अधिक से अधिक लोगों को परिषद से जोडने़ का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में परिषद के भोपाल शाखा से प्रतिनिधि के रूप में प्रकाश बंजारे भी मौजूद थे । उन्होंने समय-समय पर बैतूल शाखा को सहयोग देने का आश्वासन दिया। जन अभियान परिषद के मेंटर आशीष कोकने व बाबूलाल पवार ने सेवा कार्यों को सुचारू रूप से चलाने हेतु हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस अवसर पर महिला सदस्य सरिता ठाकरे, प्रमिला कामतकर एवं लता साकरे उपस्थित थी। अंत में शाखा सचिव लतेश पवार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

क्षतिग्रस्त संयंत्रों की मरम्मत कर किसानों को दिया जा रहा पानी

बैतूल। पारसडोह मध्यम उद्वहन परियोजना के कमांड क्षेत्र में खेतों में डेम का पानी नहीं पहुंचने पर 12 गांवों के किसानों द्वारा चक्का जाम किए जाने के संबंध में जल संसाधन संभाग मुलताई ने वस्तु स्थिति स्पष्ट की है। कार्यपालन यंत्री सीएल मरकाम ने बताया कि पारसडोह मध्यम उद्वहन सिंचाई परियोजना के कमांड क्षेत्र में सिंचाई के लिए जलाशय में पर्याप्त जल संग्रहित है। विभाग द्वारा प्रेश्यूराईज्ड पाईप लाईन माईक्रो इरीगेशन प्रणाली द्वारा कमांड क्षेत्र के कृषकों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 5 दिसंबर 2025 से मोटर पंपों का लगातार संचालन कर रबी सिंचाई के लिए पानी दिया जा रहा है। सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के अंतर्गत तकनीकी मापदण्डानुसार सिंचाई प्रबंधन प्रणाली के संचालन के दौरान प्रणाली में लगे उपकरणो का नियमानुसार उपयोग कर पर्याप्त सिंचाई सुविधा प्राप्त करने के लिए कमांड क्षेत्र के कृषकों को विधिवत जानकारी के अभाव के कारण एवं कुछ शरारती तत्वों द्वारा सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली में लगे संयंत्रों से छेड़छाड़ कर जगह-जगह से क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। विभाग द्वारा निरंतर क्षतिग्रस्त सयंत्र, उपकरणों के मरम्मत कार्य के लिए दल गठित कर कमाण्ड क्षेत्र के कृषकों को पानी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

ब्लाइंड क्रिकेट वर्ल्ड कप विजेता दुर्गा येवले का प्रथम नगर आगमन पर किया भव्य स्वागत

बैतूल। वर्ल्ड कप टी-20 ब्लाइंड क्रिकेट में भारत का परचम लहराने वाली होनहार खिलाड़ी दुर्गा येवले का बैतूल जिले में प्रथम नगर आगमन पर सर्व यादव समाज और सामाजिक संगठनों ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर भव्य वाहन रैली निकाली गई। संत श्री सिंगाजी गवली समाज संगठन बैतूल जिला अध्यक्ष भूरा यादव ने बताया कि यह रैली धार बैरियर से प्रारंभ हुई जो भौरा, शाहपुर, पाढर, आठवामिल, सोनाघाटी, चक्कर रोड, कोतवाली चौक, बस स्टेण्ड, मीडिया सेंटर, कलेक्ट्रेट शिवाजी चौक पहुंची। इस दौरान यहां सर्व यादव समाज द्वारा ब्लाइंड क्रिकेट वर्ल्ड कप विजेता दुर्गा येवले का पट्टिका एवं पुष्प गुच्छ से भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में वर्ल्ड कप विजेता दुर्गा द्वारा धरती माता की पूजा की गई। इसके बाद रैली एसपी ऑफिस के सामने से आहुजा शोरूम, गंज टांगा स्टैंड चौक, मेकेनिक चौक, बीजेपी कार्यलय के सामने से होते हुए खेड़ी सावलीगढ़, केरपनी, भैंसेदही होते हुए ग्राम राक्सी पहुंची। इस दौरान जगह-जगह खेल प्रेमियों और सामाजिक बंधुओं द्वारा ब्लाइंड

क्रिकेट वर्ल्ड कप विजेता दुर्गा का भव्य सम्मान किया गया। संत श्री सिंगाजी गवली समाज संगठन के युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सुरेश यादव ने बताया कि 11 नवंबर से 25 नवंबर तक टी-20 ब्लाइंड वर्ल्ड कप में बैतूल जिले के भैंसेदही तहसील के ग्राम राक्सी की दुर्गा येवले ने भारत का नेतृत्व किया। टी-20 ब्लाइंड वर्ल्ड कप में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल, इंग्लैंड, अमेरिका और श्रीलंका सहित 7 टीमों ने हिस्सा लिया था। भारत और श्रीलंका ने मिलकर इस टूर्नामेंट की सह मेजबानी की थी। होनहार खिलाड़ी दुर्गा के बेहतर खेल प्रदर्शन से बैतूल जिला सहित प्रदेश गौरवान्वित हुआ है। ब्लाइंड क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतकर दुर्गा के प्रथम बैतूल आगमन पर जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद होनहार खिलाड़ी दुर्गा भैंसेदही तहसील के लिए रवाना हुई।

भामसं हमेशा श्रमिकों को बेहतर सामाजिक सुरक्षा दिलाने के लिए तत्पर: गुर्जर

सरस्वती शिशु मंदिर कालापाठा में आयोजित हुआ भारतीय मजदूर संघ का श्रम सम्मेलन

बैतूल। सरस्वती शिशु मंदिर कालापाठा में भारतीय मजदूर संघ द्वारा श्रम सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें श्रमिक हितों और श्रम संहिता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। सम्मेलन के दौरान जिला मंत्री पंजाबराव गायकवाड़ ने श्रम संहिता सम्मेलन की जानकारी दी। कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीप गुर्जर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मधुकर सांबले, महेंद्र सिंह ठाकुर, राजेश मंसूरिया, विभाग प्रमुख विनय डोंगरे, अध्यक्ष संपत दरवाई, सचिन राय, कमल किशोर भावसार और चंद्रभान पंडाग्रे की विशेष उपस्थिति रही। पर्वत राव ठाकरे द्वारा अतिथियों को मां ताप्ती का चित्र भेंट किया गया। उद्बोधन में प्रदेश महामंत्री कुलदीप गुर्जर ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ हमेशा श्रमिकों

को बेहतर मानदेय और सामाजिक सुरक्षा दिलाने के लिए तत्पर है। उन्होंने प्रदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए ठोस नीति बनाने, संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, दैनिक वेतन भोगी और अस्थायी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान, अंशकालिक कर्मचारियों को पूर्णकालिक बनाने, नवीन शिक्षक संवर्ग को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देने, तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों को लेकर निरंतर संघर्ष किए जाने की बात कही। इस दौरान उन्होंने संगठनात्मक बैठक भी ली। कार्यक्रम में विजय यादव, संतोष शिंदे, संतोष गुप्ता, अंकित सक्सेना, निशांत मेश्राम, मीरा पंडोल, सृजन शुक्ला, अंकिता वरवड़े सहित भारतीय मजदूर संघ के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आर.ए.के. कृषि महाविद्यालय सीहोर में अंतरराष्ट्रीय मृदा दिवस का आयोजन

सीहोर (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय मृदा दिवस का आयोजन राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.) के अंतर्गत आर.ए.के. कृषि महाविद्यालय सीहोर में किया गया। इस वर्ष विश्व मृदा दिवस का विषय 'स्वस्थ शहर के लिए स्वस्थ मिट्टी' रखा गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीएमएचओ डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम. यासीन अध्यक्ष के रूप में तथा मृदा विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.सी. गुप्ता संयोजक के रूप में उपस्थित रहे। कृषक प्रतिनिधि के रूप में प्रगतिशील कृषक प्रहलाद सिंह एवं भगत जी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। इस अवसर पर 'स्वस्थ शहर के लिए स्वस्थ मिट्टी' विषय पर भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल के पूर्व निदेशक डॉ. एस.पी. दत्ता द्वारा महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने भूमि को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित पोषक तत्वों के उपयोग एवं कार्बन संचरण पर विशेष जोर देते हुए मृदा-पौध-जीव वातावरण के पारस्परिक संबंधों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डॉ. एस.सी. गुप्ता ने परिचयात्मक उद्बोधन देते हुए मृदा दिवस मनाने के उद्देश्य, मृदा स्वास्थ्य और गुणवत्ता के संरक्षण, तथा टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने हेतु जनजागरूकता की आवश्यकता पर सभी से आग्रह किया। प्रगतिशील कृषक प्रहलाद सिंह ने जैविक खेती एवं संतुलित रसायनों के उपयोग से मृदा को स्वस्थ रखने के अपने अनुभव साझा किए।

अधिष्ठाता डॉ. एम. यासीन ने मृदा स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि स्वस्थ एवं उर्वर मिट्टी से ही उत्तम गुणवत्ता के खाद्यान्न का उत्पादन संभव है। उन्होंने पादप प्रजनन की वैज्ञानिक प्रक्रिया के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली दालों एवं अन्य अनाज के उत्पादन पर उपस्थित जनसमूह को जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर से एक भव्य जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, कृषकों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। साथ ही छात्रों द्वारा प्रस्तुत नाटिका को सराहा गया, जिसमें शहरों में मिट्टी को स्वस्थ रखने, प्लास्टिक उपयोग में कमी, गीले-सूखे कचरे के पृथक्करण, रीसाइक्लिंग, तथा शहरीकरण के कारण मिट्टी में हो रहे साइलिंग और भूजल स्तर पर इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता संदेश दिए गए।

कार्यक्रम में छात्रों द्वारा रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता में सहभागिता की गई

कार्यक्रम में छात्रों द्वारा रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता में सहभागिता की गई, जिनका आयोजन श्रीमति सरिता मांडेकर एवं डॉ. अराधना ठाकुर तथा मूल्यांकन डॉ. दत्ता और डॉ. गाठिये द्वारा किया गया। इसी क्रम में स्थानीय ब्राइट करियर स्कूल के छात्र-छात्राओं के बीच महाविद्यालय के फैकल्टी सदस्य डॉ. आशीष मिश्रा तथा मृदा विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा मृदा स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई, जिसमें स्कूल प्राचार्या निधि गुप्ता सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। महाविद्यालय परिसर में एचडीएफसी बैंक एवं जिला चिकित्सालय सीहोर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्रों एवं स्टाफ ने बढ़-चढ़कर स्वैच्छिक रक्तदान किया।

'विश्व एड्स जागरूकता सप्ताह2025' के अंतर्गत साप्ताहिक जनजागरूकता कार्यक्रम किया गया आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, भोपाल के तत्वावधान में जिला एड्स नियंत्रण समिति नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में 'विश्व एड्स जागरूकता सप्ताह2025' के अंतर्गत साप्ताहिक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रियांशी एजुकेशनल, कल्चरल एंड सोशल सोसायटी, नर्मदापुरम द्वारा संचालित इस पहल में 'व्यवधान पर काबू पाना, एड्स प्रतिक्रिया में बदलाव लाना' तथा 'स्वच्छता ही सेवा, स्वच्छता ही संकल्प' जैसे संदेशों को प्रमुखता दी गई। भोपाल चौराहा और नेहरू पार्क चौराहा पर आयोजित कार्यक्रम में पोस्टर, बैनर और हाथ-के-ठेले वाले विक्रेताओं के माध्यम से एचआईवी-एड्स के कारण, लक्षण और रोकथाम के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और तख्तियों के प्रदर्शन के माध्यम से जागरूकता का प्रसार किया। कार्यक्रम में प्रियांशी टीआई की परियोजना प्रबंधक मीनाक्षी बाथरी, ममता मंडल, सोनू गौर, आरती बेलवंशी, आशा बाथरी, दीपेश राजपूत, पियर अमर दीक्षित, ज्योति तथा एसएसके नारायण विश्वकर्मा सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गेहूं की फसल में जड़माहू रोग नियंत्रण के लिए किसानों को सलाह

रायसेन (निप्र)। कृषि विभाग द्वारा गेहूं की फसल में जड़माहू नामक कीट के प्रकोप के नियंत्रण हेतु किसानों को सलाह दी गई है। जड़माहू नामक कीट गेहूँ की फसल की जड़ों पर कॉलोनी बनाकर पौधे का रस चूसता है। यह कीट मिट्टी की सतह के नीचे पाया जाता है, इसलिए इसकी पहचान करना कठिन होता है। यह पौधों की प्रारंभिक वृद्धि पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। यह कीट जड़ों से रस चूसकर पौधे को कमजोर करता है जिससे पौधा पीला होकर सूख जाता है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को सलाह दी गई है कि कम प्रकोप की स्थिति में यदि जड़माहू का प्रकोप कम है, तो किसान प्रभावित पौधों को जड़ सहित निकालकर नष्ट कर सकते हैं। अधिक प्रकोप की स्थिति में यदि प्रकोप अधिक हो. तो निम्न कीटनाशकों का उपयोग पानी में घोल बनाकर गेहूं की फसल में छिड़काव करना चाहिए।

छात्राओं से मारपीट के प्रकरण में शिक्षिका निलंबित

सीहोर (निप्र)। शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोठरी में कक्षा 6 'वी' की आठ बच्चियों को छड़ी से पीटे जाने की गंभीर घटना सामने आने पर शिक्षिका श्रीमती कीर्ति शाक्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय सिंह तोमर ने जानकारी देते हुए बताया कि इसके दौरान कु. शिया आ. लखन सिंह बेहोश हो गई थीं, जिनका पूर्व में लीवर का ऑपरेशन भी हो चुका है। घटना के बाद प्राचार्य द्वारा शिक्षिका को कारण-बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था, परंतु उनका उत्तर असंतोषजनक पाया गया।जांच में शिक्षिका का व्यवहार स्वेच्छाचारिता, लापरवाही और अनुशासनहीनता का प्रतीक माना गया, जो गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है। इस आधार पर उन्हें म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 03 (एक)(दो)(तीन) संबंधित प्रावधानों का प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। जिला शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षिका श्रीमती कीर्ति शाक्य को म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सीहोर निर्धारित किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा।

आजीविका मिशन की मदद से आत्मनिर्भर बनी रेखाबाई

रायसेन (निप्र)। महिलाओं को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं तथा कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी अनेक महिलाएं आज सफल उद्यमी हैं तथा परिवार की उन्नति में योगदान दे रही हैं। रायसेन जिले के बाड़ी विकासखण्ड के ग्राम चोराकमरोरा निवासी श्रीमती रेखाबाई द्वारा आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद साड़ी विक्रय की दुकान शुरू की गई, जिससे उन्हें लगभग डेढ़ लाख रू की वार्षिक आय हो रही है। श्रीमती रेखाबाई ने बताया कि पहले परिवार पूर्णतः खेती पर ही निर्भर था, लेकिन सिंचाई के साधन नहीं होने से फसल बहुत कम होती थी। स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद वह उन्नत कृषि का प्रशिक्षण प्राप्त किया और उसी के अनुसार खेती करना शुरू की। जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई। इसके बाद उन्होंने आजीविका मिशन के उद्देश्य को साकार करते हुए समूह से ऋण लेकर साड़ी की दुकान प्रारंभ की। शुरू-शुरू में बिक्री कम होती थी, लेकिन अब उन्हें अच्छी आय हो जाती है।

अमानक पाई गई आयुर्वेदिक औषधियों की बिक्री व खरीद पर लगाया गया प्रतिबंध

नर्मदापुरम (निप्र)। औषधि नियंत्रक एवं संचालनालय आयुष, मध्यप्रदेश, भोपाल के अनुसार, कई आयुर्वेदिक औषधियों के नमूनों को ग्वालियर स्थित शासकीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला में भेजा गया था। परीक्षण में 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट,1940' की धारा33ईई के तहत ये औषधियां अमानक पाई गईं। अमानक पाए गए उत्पादों मेंकफ कुठार रस एवं लक्ष्मी विलास रस (नारदीय) निर्माण शाला डाबर इंडिया लि.22 साइट साहिबाबाद उ.प्र.,प्रवाल पिष्टि एवं मुक्ता शुक्ति निर्माण शाला श्री धनवंतरी हर्बल्ला विलेज किशनपुरा पीओ गुरूमाजरा तहसील बदी जिला सोलन एच.पी.,गिलोय सत्व औरकामदुधा रस निर्माण शाला शर्माशु जैनयून आयुर्वेद श्री शर्मा आयुर्वेद मंदिर सिविल लाईनसः दतिया म.प्र. शामिल हैं।

सीएसआर प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक संपन्न

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने विभागीय प्रस्तावों पर दी आवश्यक सहमति

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में सीएसआर प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर कलेक्टर ने गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए आवश्यक प्रस्तावों पर सहमति प्रदान की। बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न विद्यालयों में मरम्मत, शौचालय निर्माण, पेयजल व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के लिए तैयार प्रस्तावों का कलेक्टर ने अवलोकन किया। उन्होंने आवश्यकतानुसार महत्वपूर्ण कार्यों के लिए सहमति प्रदान की गई। इसी प्रकार खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ने खेल उपकरण, खेल मैदानों पर आवश्यक व्यवस्थाएं और अन्य सुविधाओं से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। बैठक में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिला चिकित्सालय के लिए आवश्यक उपकरणों का प्रस्ताव रखा, वहीं उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं द्वारा संभागीय पशु चिकित्सालय में पशुओं की जांच के लिए आवश्यक उपकरणों की मांग से संबंधित प्रस्ताव कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए गए। सभी प्रस्तावों पर कलेक्टर ने विभागीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता के आधार पर सहमति प्रदान की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री हिमांशु जैन, सीएमएचओ श्री नरसिंह गहलोत, जिला परियोजना अधिकारी (महिला एवं बाल विकास) श्री ललित डेहरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैतूल जिले की विद्युत व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने भोपाल में हुआ मंथन

जिले के किसानों को रबी में 10 घंटे निर्बाध बिजली दी जाए

बैतूल (निप्र)। बैतूल जिले की बिजली व्यवस्था और अधिक बेहतर बनाने के लिए शुक्रवार को मप्र म.क्षे.वि.वि.कं.लि. के मुख्यालय भोपाल में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष व बैतूल विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा बाई उईके, मुलताई विधायक श्री चन्द्रशेखर देशमुख एवं भैंसदेही विधायक श्री महेन्द्र सिंह चौहान सहित प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल, मुख्य महाप्रबंधक (भो.क्षे.) भोपाल श्री बी.बी.एस. परिहार, बैतूल वृत्त के महाप्रबंधक श्री भूपेन्द्र सिंह बघेल, उपमहाप्रबंधक श्री अभय गोप, श्री योगेन्द्र चौधरी एवं श्री हितेश वशिष्ठ उपस्थित थे। बैठक में विधायक श्री खंडेलवाल ने जिले की बिजली सप्लाई, नई परियोजनाओं, उपकेन्द्रों और ग्रामीण विद्युतीकरण पर विस्तार से चर्चा की। सभी विधायकों ने किसानों की मुश्किलों को समझते हुए रबी में 10 घंटे निर्बाध बिजली देने की बात कही।

132 केवी पाटरैयत उपकेन्द्र को शुरू किया जाए

जिले की बिजली मजबूती के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे 132 केवी पाटरैयत उपकेन्द्र के निर्माण में हो रही देरी पर विधायक श्री खंडेलवाल ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह परियोजना लंबे समय से लंबित है, इसे तुरंत प्राथमिकता में लेकर शुरू किया जाए। इस दौरान अधिकारियों ने विधायक श्री खंडेलवाल की वन संबंधी मुद्दों पर आवश्यक सुझाव दिए जिस पर अधिकारियों ने सहमति जताई और इसे शासन स्तर पर भेजने का आश्वासन दिया। सभी विधायको ने आगामी 05 वर्षों में जिले की बढ़ती बिजली जरूरतों का हवाला देकर विभिन्न क्षेत्र में 9 नए उपकेन्द्रों के प्रस्तावित किए जाने के सम्बन्ध में चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में बिजली लोड कई गुना बढ़ेगा, इसलिए अभी से तैयारी जरूरी है। इसके अलावा गांवों में बार-बार जले व खराब होने वाले ट्रांसफार्मरों की समस्या पर भी विस्तार से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अतिभारित ट्रांसफार्मरों को बदलने के लिए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर तुरंत लगाए जाए। इसके अलावा जिले के ग्राम बुरहानपुर, ससोधाढाना, पालंगा, उती सहित अन्य विद्युत विहीन गांवों के विद्युतीकरण पर विधायकों ने चर्चा की। जिसमें विभाग ने बताया कि इन गांवों के प्रस्ताव मोटा-4 पार्ट-बी योजना के तहत शासन को भेजे जा चुके हैं।

शासकीय एकलव्य महिला आईटीआई में उद्यमिता कार्यशाला आयोजित

बैतूल (निप्र)। शासकीय एकलव्य महिला आईटीआई बैतूल में शुक्रवार को सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर भोपाल के अधिकारियों द्वारा उद्यमिता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को पारंपरिक रोजगार के साथ-साथ उद्योग की स्थापना, स्टार्टअप और कौशल आधारित स्वरोजगार के लिए मार्गदर्शन दिया गया। एमएसएमई भोपाल के इंजीनियर श्री देवेंद्र कुमार परोरा श्री सुबोध कुमार ने छात्राओं को प्रोजेक्ट रिपोर्ट, उद्यम पंजीयन, मार्केट सर्वे, वित्तीय सहायता, बैंकिंग, ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग तकनीकी सहित उद्यमिता से जुड़े अनेक विषयों पर प्रशिक्षण दिया। श्री परोरा ने बताया कि व्यवसाय की नींव केवल पूंजी पर नहीं, बल्कि योजना, कौशल, आत्मविश्वास, मार्केट की समझ और प्रबंधन क्षमता पर आधारित होती है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का कौशल ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी है, जो व्यवसाय शुरू करने में निर्णायक की भूमिका निभाती है। छोटे स्तर पर शुरू गया किया गया व्यापार भी निरंतर सुधार एवं प्रयास से बड़े उद्योग का स्वरूप ले सकता है।

सही बिजनेस आइडिया का चयन, मूल्य निर्धारण, गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं ग्राहक संतुष्टि व्यवसाय की सफलता होती है। श्री सुबोध कुमार द्वारा मार्केट डिमांड और ग्राहक समूह की पहचान, कम पूंजी में व्यवसाय शुरू करने के तरीकों के साथ प्रधानमंत्री मुद्रा लोन सहित सरकारी योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया को बताया। संस्था प्राचार्य श्री अजीश पंद्रे ने कहा कि उद्यमिता कार्यशाला से प्रशिक्षणार्थी तकनीकी रूप से मजबूत बनते हैं। इस अवसर पर प्रशिक्षण अधिकारी श्री रेवाशंकर पंडाग्रे, श्रीमती पुष्पा नागले, श्रीमती विनीता पाटिल सहित समस्त स्टाफ एवं प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

बीडीसीए अंडर-15 टीम का चयन

भोपाल। बी.डी.सी.ए चयन समिति ने एम.एम.जगदाले अंतर मंडलीय टूर्नामेंट के पहले मैच के लिए इन खिलाड़ियों का चयन किया है। जिनमें ग्रंथ प्रजापति (कप्तान,आर्यवीर मेघवानी, धैर्य तिवारी, दीर्घ श्रीवास्तव (विकेट कीपर), प्रखर सिंह, पृथ्वीराज विश्वकर्मा, वेद पाठक, देव कनौजिया, केविन जोसेफ (उप कप्तान), युवराज बुंदेला, लक्ष्य सोनी, राघव खेर, नमस्तेशिवा शर्मा, ईशान तिवारी, रुद्र तेंगुरिया। वहीं सीडीसी द्वारा अहद खान विकेट कीपर सीहोर म.प्र., देव बघेल विदिशा मप्र और अन्य खिलाड़ी स्टैंडबाय के रूप में शामिल है। जिनमें ईरानवीर सिंह, आदर्श नागर, आदित्य मौर्या, प्रयाग जरीवाला, सिंकदर खान एवं कोच ब्रजेन्द्र कुमार, अभिषेक सिंह है।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि शिकायतों की समीक्षा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि से संबंधित प्राप्त शिकायतों की व्यक्तिगत रूप से प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जा रही है। जिले में पीएम किसान सम्मान निधि की शिकायतों के पारदर्शी व समयबद्ध निराकरण के लिए यह पहल महत्वपूर्ण कारगर साबित हो रही है। कलेक्टर द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि की शिकायतों के निराकरण हेतु दर्ज टीपों का अवलोकन करने पर पाया गया है कि विभिन्न स्तरों पर कई गंभीर त्रुटियाँ सामने आई हैं। कलेक्टर ने समीक्षा में यह स्पष्ट हुआ है कि एल-1 एवं एल-2 स्तर के अधिकारी शिकायतों की निराकरण टीपों का सही तरीके से न तो अवलोकन कर रहे हैं और न ही आवश्यक वेरिफिकेशन किया जा रहा है। कई शिकायतों में निराकरण टीप, पटवारी से प्राप्त जानकारी तथा शिकायतकर्ता से हुई चर्चाकृतीनों में भिन्नता पाई गई है। समीक्षा में यह भी पाया गया कि कुछ प्रकरणों में निराकरण टीप में केवल 'पंजीयन कर दिया गया' लिख दिया गया है, जबकि पंजीयन क्रमांक, आधार नंबर अथवा संबंधित प्रमाणित जानकारी अंकित नहीं की गई है, जो कार्य में गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए हैं कि आज शाम को हल्का-वार शिकायतों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारी अपनी-अपनी शिकायतों का सत्यापन कर निराकरण टीप अद्यतन अवश्य करें। कलेक्टर ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि आज शाम के बाद यदि किसी भी शिकायत के निराकरण में वस्तुस्थिति से अंतर पाया जाता है, तो संबंधित एल-1 एवं एल-2 अधिकारी जिम्मेदार माने जाएंगे और उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

नेशनल लोक अदालत के आयोजन को लेकर जिला अधिवक्ता संघ सभागार में बैठक आयोजित

बैतूल (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला अधिवक्ता संघ सभागार में जिले में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री अशोक वर्मा एवं अन्य न्यायाधीशगण तथा अधिवक्तागण उपस्थित रहे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल ने बताया कि 13 दिसंबर 2025 को जिले में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष की अंतिम लोक अदालत का पक्षकारों और अधिवक्ताओं को लाभ उठाना चाहिए और अधिक से अधिक संख्या में राजीनामा कराने का प्रयास करना चाहिए।

राजीनामा पश्चात् कोर्ट फीस वापस प्राप्त करने की प्रक्रिया अब सरल हो चुकी है और पक्षकारों को आवेदन के लिये भटकना नहीं पड़ता। अब आवेदन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में जमा करने के पश्चात आसानी से कोर्ट फीस खाते में प्राप्त हो जाती है। मोटर दुर्घटना तथा चेक बाउंस के प्रकरणों में समझौते के लिए नियमित रूप से प्रीसिटिंग बैठक आयोजित हो रही है। विद्युत प्रकरणों में भी लोक अदालत में छूट दी जा रही है। उन्होंने सभी अधिवक्ताओं से आगामी लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में राजीनामा कराने की अपेक्षा की।जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष श्री अशोक वर्मा द्वारा विगत लोक अदालत की ही भांति आगामी लोक अदालत में भी पूरा सहयोग संघ की ओर से दिये जाने का आश्वासन दिया गया।

बीमा कंपनी के पेनल अधिवक्ता श्री बी. के. पांडे ने बताया कि 13 सितंबर की लोक अदालत में सभी के सहयोग से मोटर दुर्घटना के 100 प्रकरणों में समझौता कराया गया था और आगामी लोक अदालत के लिये सामूहिक प्रयास जारी है।

न्यू इंडिया इंश्योरेंश कंपनी के साथ हुई ऑनलाइन प्रीसिटिंग बैठक

न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी से संबंधित मोटर दर्घटना क्षतिपर्ति दावा के न्यायलयीन प्रकरणों में राजीनामा के लिए जिला न्यायालय व्हीसी कक्ष में प्रीसिटिंग बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जबलपुर से ऑनलाइन जुड़े बीमा कंपनी के प्रशासनिक अधिकारी से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल द्वारा प्रकरणों में चर्चा कर समझौता योग्य राशि निर्धारित की।

इसके अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्री कैलाश नारायण अहिरवार, बीमा कंपनी के पेनल अधिवक्ता श्री बी.के. पांडे, श्री निलेश चौरगढे, श्री प्रयागराज पंडाग्रे, श्री विनोद टेकाडे, श्री प्रशांत माण्डीकर व क्लेमेंट के अन्य अधिवक्तागणों की उपस्थित में चर्चा उपरांत 10 से अधिक प्रकरणों में राजीनामा के लिए सहमति बनी, जबकि अन्य प्रकरणों में दस्तावेज पूर्ण होने के पश्चात् राजीनामा हो सकेगा।

राइट क्लिक

नांदेड - 'सैराट 2.0' में संकल्प ही आशा का प्रतिरूप है...

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं। संपर्क- 9893699939 ajaybokil@gmail.com

महाराष्ट्र के नांदेड शहर के जूनागंज इलाके में विगत 27 नवंबर को जो हृदय द्रावक घटना घटी वे न केवल झूठे जाति अभिमान और ऑनर किलिंग का मामला है बल्कि यह नई पीढ़ी के जाति की दीवारों को तोड़कर नए सामाजिक रिश्तों को मान्यता देने के अडिग संकल्प की रक्त रंजित दस्तक भी है। बहुत से लोग इसे सैराट 2.0 मान रहे हैं। यानी नौ साल पहले इसी थीम पर आई ब्लॉक बस्टर फिल्म 'सैराट 1.0' का प्रगत संस्करण। प्रगत इसलिए कि नांदेड की घटना सैराट के अंत से आगे का रास्ता दिखाती है। लोग इस घटना को अपवाद और भावातिरेक मान कर भले ही खारिज कर दें, लेकिन यह देश में भविष्य के समाज की आहट है, और इसे अनसुना नहीं किया जाना चाहिए।

इस देश में जातीय दुराभिमान से ग्रस्त और झूठी प्रतिष्ठा के नाम पर स्वजनों द्वारा जाति की दीवार लांघ कर प्रेम और विवाह करने वालों की निर्मम हत्याएं नई बात नहीं है। लेकिन नांदेड में एक प्रेमिका आंचल मामीडवार ने, अपने प्रेमी सक्षम ताटे की आंचल के ही स्वजनों द्वारा सरेआम हत्या के बाद असाधारण साहस दिखाकर प्रेमी के शव के पास हल्दी-कुमकुम माथे पर लगाया और सक्षम के खून से मांग भरी। जिस तरह आंचल ने सक्षम की पार्थिव देह के फेरे लेकर अपने अमर प्रेम की नई कथा लिखी, वह हैरान करने वाली है। दरअसल यह महज भावावेश में किया गया कृत्य नहीं है बल्कि जाति की दीवार पर एक युवा मन का घनाघात है। इसकी गूंज दूर तक सुनाई देगी। सक्षम की हत्या के बाद आंचल ने कहा कि मैंने उसे मन ही मन पति माना था और अब मैं उसके घर को अपना घर मानकर वहीं रहूंगी। आंचल ने मीडिया के सामने दार्शनिक भाव से कहा कि 'मेरे घर वाले मेरे प्रेमी को जान से मारकर भी हार गए और सक्षम मरकर भी इस 'धर्मयुद्ध' में जीत गया। मेरा प्यार अभी भी जिंदा है।' उधर सक्षम की मां संगीता ने भी कहा कि आंचल उसके लिए बेटी नहीं बेटा है।

21 साल की आंचल और 20 साल के सक्षम की मुलाकात सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। दोनों लंबे समय से संपर्क में थे और एक दूसरे से प्रेम करने लगे थे। सक्षम और आंचल के परिवारों का मेलजोल भी बढ़ गया था। लेकिन असली कहानी इसके आगे शुरू होती है, जहां जातियों का संपर्क रिश्तों में बदलने से पहले ही विद्वेष के बैरीकेड खड़े कर दिए जाते हैं। परस्पर परिचय के परे आंचल के परिजनों को आंचल का एक दलित युवक से प्रेम करना नागवार गुजरा। बकौल आंचल उसके पिता और भाई ने आंचल को सक्षम से दूर करने की कई कोशिशें कीं, लेकिन नाकाम रहे। बाद में उन्होंने मौका मिलते ही सक्षम को हमेशा के लिए रास्ते से हटा दिया। अपनों की इस नीच हरकत से व्यथित आंचल ने उन्हें फांसी देने की मांग की है ताकि उसके प्रेमी को न्याय मिल सके। आंचल का यह भी कहना है पहले उसके भाइयों ने सक्षम से शादी कराने का वादा किया था लेकिन बाद में विश्वासघात किया। उसने कहा कि सक्षम प्रेम की खातिर अपना धर्म बदलकर हिंदू बनने के लिए भी तैयार हो गया था, लेकिन परिजनों को यह भी गवारा नहीं हुआ और उन्होंने उसे गोली मार दी। इस बीच पुलिस ने इस हत्याकांड के सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का यह भी कहना है कि इस मामले में शामिल दोनो पक्षों का आपराधिक रिकॉर्ड है। वैसे आंचल के पिता गजानन ने भी अंर्तजातीय प्रेमविवाह किया था। लेकिन बेटी का ऐसा करना उसे नामंजूर था। गजानन की पत्नी जयश्री राजपूत बताई जाती है। उसकी भी गजानन से दूसरी शादी है। सक्षम की हत्या में शामिल साहिल जयश्री के पहले पति का बेटा है। जबकि आंचल और उसका नाबालिग भाई गजानन की औलाद हैं। सक्षम की हत्या की मर्मस्पर्शी घटना की सोशल मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रिया हुई, हालांकि उसमें भी जाति विद्वेष ही ज्यादा झलका। दलितों ने इसके लिए ऊंची जाति वालों को कोसा तो ऊंची जाति वालों ने कटाक्ष के अंदाज में कहा कि हमे कोसने से पहले पिछड़े और दलित तो सामाजिक रिश्तों में एका कर लें। कुछ ने आंचल की बगावत को जायज माना तो कुछ की निगाह में आंचल का कृत्य क्षम्य नहीं था। कतिपय की नजर में आंचल के बाप और भाई ने जो किया, वो परिवार की प्रतिष्ठा को बचाने की दृष्टि से सही था। लड़कियों को अपने अभिभावकों की बात माननी ही चाहिए। तो कइयों की राय थी कि इस देश में जब तक जातिप्रथा और भेदभाव समाप्त नहीं होगा, इस तरह की निर्मम हत्याएं होती रहेंगी।

इस दर्दनाक 'सत्यकथा' को अगर नौ साल पहले आई हिट फिल्म 'सैराट' के संदर्भ में पढ़ें तो दोनों में कुछ फर्क है। जाति द्वेष और जातीय अहंकार दोनों में है, लेकिन 'सैराट' में प्रेमिका एक सम्पन्न और सामाजिक रूप से प्रभावशाली उच्च जाति की थी और प्रेमी निचली जाति का। नांदेड की घटना में प्रेमी दलित जाति से है, जो बौद्ध धर्म को मानता है और प्रेमिका महाराष्ट्र में 'विशेष पिछड़ा वर्ग' में आने वाली बुनकर (जिसे वहां पद्मशाली कहा जाता है) जाति से और हिंदू है। 'सैराट' में दलित प्रेमी और ऊंची जाति की प्रेमिका भागकर शादी कर लेते हैं। उनके एक बेटा भी हो जाता है। इसके बाद युवती के परिजन रिश्ते सुधारने का झांसा देकर दोनों को वापस बुलाते हैं और मौका देखकर प्रेमी के परिजनों की निर्मम हत्या कर देते हैं। लेकिन उन दोनों के प्रेम की प्रतीक संतान उम्मीद की शक्ल में बच जाती है। अलबत्ता 'सैराट 2.0 की कहानी उस मोड़ तक पहुंचने के पहले ही खत्म हो जाती है। शायद हत्यारे आंचल और सक्षम की प्रेम कहानी को सैराट 1.0 तक भी नहीं पहुंचने देना चाहते थे। दोनों का प्रेम किसी स्थायी बंधन में बंधे, उसके पहले ही रिश्ते का एक सिरा उन्होंने हमेशा के लिए खत्म कर दिया। एक प्रेमिका को सौभाग्यवती होने के पहले ही उसे विधवा कर दिया गया। हालांकि दोनों ही मामलों में परिजनों ने धोखे से काम लिया।

आंचल का भविष्य क्या है, वो आगे क्या करेगी, कैसे करेगी, किस तरह जीएगी? उसके परिजन उसे भी जिंदा रहने देंगे या नहीं, यह तमाम सवाल अभी अनुत्तरित हैं। फिलहाल आंचल ने अपने हत्यारे बाप और भाई का घर छोड़कर दिवंगत प्रेमी के घर को ही अपना घर बना लिया है। उसने कहा कि मैं सक्षम का सपना पूरा करूंगी और अधिकारी बनूंगी। यह इस अधूरी प्रेम कहानी का नया ट्विस्ट है, जिसे समाज को हजम करना आसान नहीं है। लेकिन इसे जेन-जी की बदलती सोच की रोशनी में देखा जाना चाहिए। 'सैराट 1.0' का अंत दर्शकों को स्तब्ध करता है तो सैराट 2.0 का अंजाम विचलित करता है। सैराट 1.0 में उम्मीद जिंदा रहती है जबकि सैराट 2.0 में संकल्प ही आशा प्रतिरूप है।

बच्चों में सीखने की ललक बढ़ाने के लिये शिक्षक प्राप्त करते रहें नई-नई जानकारी : प्रधान

बच्चों को पोषण आहार मिलें इसके लिये जनभागीदारी को दें बढ़ावा, बच्चों को मातृभाषा में पढ़ने के लिये करें प्रेरित

भोपाल (नप्र)। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा है कि बच्चों के व्यक्तित्व का बहुआयामी विकास हो, इसके लिये जरूरी है कि उन्हें मातृभाषा में पढ़ने के लिये प्रेरित किया जाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई गई बातें और समझने में मातृभाषा ज्यादा कारगर होती है। नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में अध्ययन को प्राथमिकता दी गई है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान रविवार को भोपाल के शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय टी.टी. नगर के निरीक्षण के बाद शिक्षकों से चर्चा कर रहे थे। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार और विधायक श्री भगवानदास सबनानी भी उनके साथ थे।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान ने सांदीपनि विद्यालय की कक्षाओं में जाकर बच्चों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों की पाठ्यपुस्तकों को देखा और बच्चों से पढ़ाई के संबंध में बात की। मंत्री श्री प्रधान के विद्यालय पहुँचने पर छात्राओं ने बैंड की धुनों पर उनका स्वागत किया। उन्होंने आर्ट गैलरी, पुस्तकालय, बच्चों की मार्शल आर्ट 'वुशु' के अभ्यास को देखा और विद्यालय के म्यूजिक रूम का भ्रमण किया। उन्होंने बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत पर प्रस्तुत धुनों को सुना और उसकी प्रशंसा की। मंत्री श्री प्रधान विद्यालय की अटल टिकरिंग लेब में भी गए। वहां उन्होंने बच्चों द्वारा बनाए गए साइंस मॉडल के बारे में जानकारी प्राप्त की। साइंस मॉडल और रोबोटिक्स लेब के उपकरणों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। मंत्री श्री प्रधान ने विद्यालय के ऑडीटोरियम को भी देखा और उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न खेलकूद, संगीत और साहित्यिक गतिविधियों के प्रति भी प्रेरित करें। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान ने कहा कि बच्चों को पोषण आहार मिले, इसके लिये जन-भागीदारी के प्रयास किये जायें।

पालकों से संवाद

मंत्री श्री प्रधान ने बच्चों के पालकों से भी संवाद किया। उन्होंने कहा कि पालक निरंतर स्कूल पहुँचकर बच्चों के बारे में जानकारी प्राप्त करते रहे। पालकों और शिक्षकों के समन्वय से ही बच्चों का सम्पूर्ण विकास हो सकेगा। उन्होंने शिक्षकों को प्रारंभिक कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों के शैक्षणिक अध्ययन पर गहन निगरानी रखने की समझाइश दी। मंत्री श्री प्रधान ने विद्यालय की विजिटर्स बुक पर लिखा कि अगले सत्र में इस विद्यालय की छात्राएं जेईई एवं नीट परीक्षा में चयनित हों इसके लिये शिक्षक सामूहिक रूप से प्रयास करें।

ई-अटेंडेंस के मिल रहे हैं बेहतर परिणाम

आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिये प्रदेश में हमारे शिक्षक एप के माध्यम से ऑनलाईन ई-अटेंडेंस प्रारंभ की गई है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप 799 स्कूलों को मॉडल स्कूलों में बदला जा रहा है। उन्होंने पीएमश्री स्कूल और सांदीपनि विद्यलाय के बारे में भी जानकारी दी। सांदीपनि विद्यालय के बच्चों को विद्यालय तक लाने के लिये निःशुल्क परिवहन सेवा उपलब्ध कराई गई है। स्कूलों में बच्चों को डिजिटल शिक्षा दिये जाने की व्यवस्था की गई है। प्राचार्य कमला नेहरू श्रीमती संगीता सक्सेना ने बताया किविद्यालय की स्थापना 1958 में हुई थी। वर्तमान में इस विद्यालय में कक्षा अरूण (के.जी.-1) से लेकर कक्षा 12 तक करीब 1500 छात्राओं को उच्च स्तर की शिक्षा दी जा रही है। निरीक्षण के दौरान श्री राहुल कोठारी, पार्षद श्रीमती आरती अनेजा भी साथ थी।

भारत के भविष्य को नई दिशा देने की दूरदर्शी कार्य योजना है राष्ट्रीय शिक्षा नीति : राज्यपाल

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, राज्य के कौशल, नवाचार और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का है आधार : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: क्रियान्वयन, चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में राष्ट्रगान की धुन के साथ आरंभ हुई। कार्यशाला में केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, प्रदेश के

उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर विशेष रूप से उपस्थित थीं।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि मध्यप्रदेश को शिक्षा-परिवर्तन की दिशा में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए नीति की दिशा, लक्ष्य और समन्वित कार्य-संस्कृति के द्वारा प्रयास करने होंगे। युवाओं के द्वारा प्रदेश और देश समाज को बदलने के विश्वास का प्रतीक राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 है। यह भारत के भविष्य को नई दिशा देने की दूरदर्शी कार्ययोजना है, जिसका मूल स्वभाव 'समग्रता' है। उन्होंने नीति के लक्ष्यों समग्र शिक्षा, समग्र विकास और समग्र राष्ट्र-निर्माण से जुड़ी चुनौतियों और मध्यप्रदेश की विशेष परिस्थितियों में उपलब्ध संभावनाओं पर प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सामूहिक विचार की पहल की सराहना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश, देश में अग्रणी है। प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को केवल शैक्षणिक सुधार न मानकर राज्य के कौशल, नवाचार और सांस्कृतिक पुनर्जागरण से जोड़ा है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों को कुलगुरु संबोधन देकर हमने प्राचीन गुरुकुल आदर्श को आधुनिक व्यवस्था से जोड़ा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्व में जिन भी महापुरुषों ने समय की धारा को बदला है, उन महापुरुषों के व्यक्तित्व विकास में गुरुओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। गुरु के रूप में महर्षि विश्वामित्र ने श्रीराम की दक्षता क्षमता को निखारने में योगदान दिया। जिसके बल पर पर प्रभु श्रीराम ने स्वयंवर और रावण वध पर अपने पराक्रम और पुरुषार्थ का परिचय दिया। भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप में भी आचार्य सांदीपनि का योगदान रहा। सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित सुशासन व्यवस्था में उनके द्वारा देशभर से जोड़े गए विद्वानों और नव रत्नों का सहयोग रहा। राजा भोज द्वारा निर्मित भोपाल का बड़ा तालाब आज भी अभियांत्रिकी के विद्यार्थियों के लिए सीखने का विषय है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने शिक्षा को प्राथमिकता का विषय बनाने के लिए राज्य शासन का आभार मानते हुए कहा कि मध्यप्रदेश ने संस्कृति धर्म और ज्ञान परंपरा की निरंतरता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वैज्ञानिकता, दार्शनिक स्पष्टता और अध्यात्मिकता का पुट भारतीय शिक्षा व्यवस्था का आधार रहा है। मैकाले द्वारा स्थापित शिक्षा व्यवस्था में भारतीयता को स्थापित करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य है।

इंडिगो की 32 फ्लाइट कैंसिल

इंदौर में 24, भोपाल में 4, जबलपुर-ग्वालियर में 2-2 उड़ानें रद्द, एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा

इंदौर (नप्र)। इंदौर से रविवार को इंडिगो की 24 और भोपाल से 4 फ्लाइट कैंसिल हुई हैं। वहीं, जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से इंडिगो की कुल 6 फ्लाइटें संचालित होती हैं। रविवार को अभी तक यहां से 2 उड़ानें कैंसिल हो चुकी हैं।

मुंबई से जबलपुर होते हुए दिल्ली जाने वाली फ्लाइट कैंसिल रही। इसके अलावा बेंगलुरु से जबलपुर आकर वापस बेंगलुरु जाने वाली फ्लाइट भी आज निरस्त है। ग्वालियर में भी इंडिगो की दो फ्लाइट कैंसिल हैं।

भोपाल एयरपोर्ट से आने-जाने वाली 4 फ्लाइट कैंसिल

राजा भोज एयरपोर्ट से रविवार 7 दिसंबर को आने-जाने वाली कुल चार फ्लाइटें प्रभावित रहीं। इंडिगो की मुंबई से भोपाल आने वाली फ्लाइट 6ई5172 को रद्द कर दिया गया, जबकि इसकी ही रिटर्न फ्लाइट से मुंबई जाने वाली 6ई2162 का संचालन सामान्य रूप से किया जा रहा है।

इसी तरह बेंगलुरु से भोपाल पहुंचने वाली इंडिगो की 6ई6336 की उड़ान भी कैंसिल रही, हालांकि वापस बेंगलुरु जाने वाली फ्लाइट 6ई5309 ऑपरेट की जा रही है। उधर शाम के शेड्यूल में भी दो उड़ानों पर असर पड़ा। रात 8:45 बजे बेंगलुरु से भोपाल निर्धारित फ्लाइट 6ई6465 को रद्द किया गया है। वहीं रात 9:45 बजे दिल्ली से भोपाल आने वाली 6ई0894 भी उड़ान नहीं भरेगी, जिसके चलते भोपाल से दिल्ली जाने वाली 6ई2109 की उड़ान भी रद्द रहेगी।

भारत का पहला 'वाइल्ड लाइफ सेफ हाईवे'

एलएचएआई ने बनाया अनोखा कॉरिडोर, 'झटका' देने वाली 'रेड टेबल टॉप मार्किंग'

भोपाल/नरसिंहपुर (नप्र)। मध्य प्रदेश में भोपाल-जबलपुर नेशनल हाईवे पर नरसिंहपुर-जबलपुर के बीच दो किलोमीटर की 4 लेन सड़क की देशभर में चर्चा हो रही है। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की सीमा से होकर गुजरने वाली सड़क पर वन्य प्राणियों की सुरक्षा और वाहनों की स्पीड को नियंत्रित रखने के लिए एक्सीडेंटल जोन में 'रेड कलर' से ' टेबल टॉप मार्किंग ' की गई है, जिस कारण यह मार्ग अनूठा और ड्रोन व्यू से देखने पर गजब का नजारा पेश कर रहा है। करीब दो किलोमीटर की यह सड़क राजमार्ग चौराहे से बेलखेड़ा के बीच आने वाले ब्लैक स्पॉट को खत्म कर बनाई गई है।

भोपाल-जबलपुर नेशनल हाईवे पर नरसिंहपुर-जबलपुर के बीच वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की सीमा से होकर गुजरे नेशनल हाईवे पर वन्य प्राणियों और मुसाफिर वाहनों की होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ह॥ आर्थोरिटी ने शानदार प्रयोग किया गया है। संभवतः पहली दफा अनूठा और तकनीक आधारित प्रयोग किया गया है। इसमें 'टेबल टॉप रेड मॉर्किंग' की गई

है। इससे वाहनों में हल्के से जर्क लगते हैं और स्पीड नियंत्रित रहती है। फिलहाल यह प्रयोग करीब दो किलोमीटर के वन्य प्राणी से भरे पहाड़ी इलाके में किया गया है।

टेबल टॉप मार्किंग का उद्देश्य गति नियंत्रण, सुरक्षित सफर- नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर अब सफर और भी सुरक्षित होने जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने लगभग 2 किलोमीटर के वन्यजीव संवेदनशील हिस्से में एक अनूठा और तकनीक-आधारित प्रयोग किया है, जिसका उद्देश्य दुर्घटनाओं को कम करना और वन्यजीवों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। इसमें गति नियंत्रण का अनोखा फॉर्मूला अपनाया गया है। जिसे तकनीकी भाषा में 'टेबल टॉप रेड मार्किंग' कहा जाता है।

आगरा-मुंबई हाईवे पर तेज रफ्तार वाहन ने चीते को कुचला

कूनो के जंगल से निकलकर सड़क पर आए थे दो चीते, दूसरे की सर्चिंग जारी

ग्वालियर (नप्र)। आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे (शिवपुरी लिंक रोड) पर घाटीगांव सिमरिया मोड़ पर कूनो से भागे दो चीतों में से एक चीता की मौत हो गई है। जंगल से निकलकर जब सड़क पर चीता आया तो तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया। दूसरे चीते की तलाश की जा रही है।

घटना रविवार सुबह 5 से 6 बजे के बीच की है। सूचना मिलते ही घाटीगांव थाना पुलिस और वन विभाग के अफसरों ने घटनास्थल को निगरानी में ले लिया है। कूनो के अफसर भी स्पॉट पर पहुंच गए हैं।

चीते के शव को कूनो पहुंचाया जा रहा है, जहां एक्सपर्ट्स का पैनल पोस्टमॉर्टम करेगा।

सैटेलाइट कॉलर आईडी से लगातार चीतों पर नजर रखी जा रही थी। जैसे ही सड़क हादसा हुआ अफसरों को सूचना मिल गई है। घटनास्थल पर काफी भीड़ थी, लेकिन वन विभाग के अफसरों ने पुलिस तक को पास नहीं आने दिया। पूरी कार्रवाई वन विभाग के अफसर कर रहे हैं।जानकारी के अनुसार मृत चीते का नाम केजी-4 (मादा) है। इसका जन्म कूनो नेशनल पार्क में ही हुआ था। यह गामिनी का शावक बताया जा रहा है।

दूसरे चीते केजी-3 को सुरक्षित पकड़ने के लिए जंगल में बकरा बांधा गया है। वन विभाग की टीम उसकी गर्दन में लगे कॉलर ट्रैकिंग डिवाइस के माध्यम से लगातार ट्रैक कर रही है।

चीता हाईवे किनारे गिरा, मौके पर दम तोड़ा

बता दें कि कूनो के जंगल से निकलकर दो चीता घाटीगांव के जंगल में पहुंच गए थे। यहां रविवार तड़के 5 बजे के लगभग वह घाटीगांव के जंगल से निकलकर आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे पर सड़क क्रॉस कर दूसरी तरफ जा रहे थे कि तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक चीता को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि चीता हाईवे किनारे गिरा और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद जब चीता पड़ा लोगों ने देखा तो पुलिस और वन विभाग को सूचना दी।

शनिवार शाम को गाय पर किया था हमला

बता दें कि कूनो से दो युवा चीते भागे थे। दोनों की लोकेशन घाटीगांव के सिमरिया मोड के आसपास आ रही थी। कूनो से वन विभाग की टीम लगातार उनका पीछा कर रही थी। शनिवार शाम को सिमरिया इलाके में एक गाय पर दोनों चीतों ने हमला किया था। जिसमें गाय की मौत हो गई थी। तभी से वन विभाग के अफसरों ने यहां अपना डेरा जमा लिया था।